page 1 and 8 Apr 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/18/2026 2:16 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पंजाब के पहलवान ने जीता झज्जर कोटली दंगल

5 स्टटगार्ट ओपन 2026 रयबाकिना और गाफ क्वार्टरफाइनल में, मुचोवा भी आगे बढ़ी

8 डीएलएसए बडगाम ने एलएडीसी के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की

मौसम जम्मू — न्यूनतम 21, अधिकतम 32

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-94 | जम्मू तवी, शनिवार 18 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत को मजबूत ग्रामीण आधार की जरूरतः सिन्हा

'प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है'

जम्मू तवी, 17 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सीमावर्ती क्षेत्र अब देश का अंतिम छोर नहीं बल्कि पहला गांव और सबसे बड़ा अवसर बन गए हैं, यह बात उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कही। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की पहचान उसके सबसे दूरस्थ गांव से होती है।

राजौरी जिले के सैरिया गांव के दौरे के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए, जहां उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर का उद्घाटन किया और कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की, उपराज्यपाल ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। सीमावर्ती क्षेत्र अब देश का किनारा नहीं बल्कि पहला गांव और सबसे महत्वपूर्ण अवसर बन चुके हैं। अब यहां नई प्रतिबद्धता और मुख्यधारा से जुड़ाव मजबूत हुआ है।

उपराज्यपाल ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत

बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से हर सीमावर्ती गांव तक बुनियादी ढांचा और कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नक्शे केवल सीमाएं दिखाते हैं, लेकिन इन सीमाओं के भीतर जीवंत समाज और मजबूत परिवार देश की प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों से ही नहीं, बल्कि वहां रहने वाले गांव के लोगों से भी जुड़ी होती है। फ्रसीमावर्ती गांव तक सड़क पहुंचना सिर्फ रास्ता नहीं बल्कि सुरक्षा में विश्वास बढ़ाता है। घरों में बिजली पहुंचना सिर्फ रोशनी नहीं बल्कि नई उम्मीद जगाता है। युवाओं को रोजगार मिलना पूरे समाज की दिशा बदल देता है।

उपराज्यपाल ने कहा कि उनका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि सीमावर्ती गांवों का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है और हर सीमावर्ती गांव को समृद्ध बनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2020 में जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी संभालने के बाद से उन्होंने सीमावर्ती गांवों के विकास को प्राथमिकता दी है। जहां महिलाएं हर सुबह अपने बच्चों के बेहतर भविष्य का सपना देखती हैं, जहां किसान कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत करते हैं और जहां समुदाय बिना वर्दी के प्रहरी बनकर खड़े रहते हैं, वहां हमने विकास की नई शुरुआत की है, उन्होंने कहा। उपराज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि HADP, मिशन युवा, मुद्रा योजना और अन्य सभी कल्याणकारी योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए।उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से लोगों के जीवन में बदलाव आया है और अब सीमावर्ती गांवों में सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं और डिजिटल कनेक्टिविटी तेजी से विकसित हो रही है, जिससे लोग देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक विकास का मतलब समान अवसर, सम्मान और आत्मविश्वास है और वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम इसी दिशा में काम कर रहा है। हर नागरिक का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने देश की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, अब उन्हें विकास के केंद्र में लाना होगा, उन्होंने कहा। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने 'ज्ञान भारतम' प्रदर्शनी का दौरा किया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया।

ट्यूलिप गार्डन में इस बार एक माह में आये 38 लाख आगंतुक

श्रीनगर, 17 अप्रैल । श्रीनगर के ट्यूलिप गार्डन में इस साल एक माह के दौरान कुल 38 लाख आगंतुक आए। इनमें 1,222 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक लगभग 22 लाख घरेलू पर्यटक और लगभग 15 लाख स्थानीय आगंतुक शामिल थे।

पुष्प संवर्धन निदेशक मथूरा मासूम ने शुक्रवार को बताया कि ट्यूलिप गार्डन की स्थापना के बाद पहली बार आगंतुकों के लिए ई-टिकटिंग प्रणाली लागू की गई, जिससे प्रवेश प्रक्रिया काफी सुगम हो गई। ट्यूलिप गार्डन और बादामवारी गार्डन सहित प्रमुख उद्यानों में इस मौसम में डिजिटल प्रणाली शुरू करने से पर्यटकों और स्थानीय लोगों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने बताया कि 16 मार्च से 16 अप्रैल तक खुले रहे इस उद्यान में कुल 38 लाख आगंतुक आए। इनमें 1,222 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक लगभग 22 लाख घरेलू पर्यटक और लगभग 15 लाख स्थानीय आगंतुक शामिल थे।

उन्होंने बताया कि उद्यान में लगभग 70 किस्मों के ट्यूलिप प्रदर्शित किए गए थे, जिनमें लगभग 8 लाख फूल खिले हुए थे। साथ ही एक लाख वसंतकालीन किस्में भी थीं। उन्होंने बताया कि आगंतुकों के लिए सेल्फी पॉइंट भी बनाए गए थे

लोकसभा में नहीं पारित हो पाया संविधान संशोधन विधेयक

सरकार ने कहा- जारी रहेगा महिलाओं को आरक्षण देने का अभियान

नई दिल्ली, 17 अप्रैल । लोकसभा में शुक्रवार को सरकार की ओर से लाया गया 131वां संविधान संशोधन विधेयक जरूरी दो तिहाई बहुमत के अभाव में पारित नहीं हो पाया। इसके माध्यम से सरकार लोकसभा की सीटों में वृद्धि करना और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती थी। विपक्ष का कहना था कि सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन लाकर अपना राजनीतिक हित साधना चाहती है। लोकसभा में दो दिन तक संविधान संशोधन और दो अन्य परिसीमन और संघ शासित राज्य संशोधन विधेयक पर एक साथ चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर विपक्ष से इसे पारित कराने की अपील भी की थी। गृह मंत्री ने यहां तक आश्वासन दिया था कि अगर विपक्ष साथ दे तो सरकार राज्यों में 50 प्रतिशत सीट बढ़ोतरी का

आश्वासन देने के लिए विधेयक में तत्काल संशोधन को भी तैयार है। लोकसभा में देर शाम तक चर्चा के बाद संविधान संशोधन होने के कारण आवश्यक मत विभाजन हुआ। इसमें विधेयक के पक्ष में 298 और विधेयक के विरोध में 230 मत पड़े। विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार को सदन में मौजूद दो तिहाई सदस्यों का समर्थन चाहिये था। संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं होने के कारण इससे जुड़े दो विधेयकों को भी सरकार ने वापस ले लिया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ने इस एतिहासिक अवसर पर सरकार का साथ नहीं दिया। सरकार ने अभी केवल एक मौका गंवाया है और महिलाओं को अधिकार दिलाने का सरकार का अभियान जारी रहेगा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही बाद शनिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अंतरआत्मा की आवाज सुनकर वोट करने की अपील की थी। लगता है कि विपक्ष में आत्मा नदारद है और विपक्ष निष्ठुर राजनीति कर रहा है। वे केवल महिला आरक्षण का इसलिए विरोध कर रहा है कि कहीं इसका श्रेय सत्तापक्ष को न मिल जाए।

जम्मू-कश्मीर में प्रमाणपत्रों और भूमि दस्तावेजों के लिए नई शुल्क दरें लागू; डोमिसाइल और जाति प्रमाण पत्र अब मुफ्त

श्रीनगर, 17 अप्रैल। जम्मू कश्मीर सरकार के प्रशासन ने विभिन्न प्रमाणपत्र और भूमि रिकॉर्ड जारी करने के लिए शुल्क की एक नई अनुसूची (शेड्यूल) अधिसूचित की है, जिसमें अधिवास (डोमिसाइल) और जाति प्रमाणपत्र मुफ्त जारी किए जाएंगे, जबकि अन्य दस्तावेजों के लिए मामूली शुल्क लिया जाएगा। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, अधिवास प्रमाणपत्र , चरित्र प्रमाणपत्र, कृषि प्रमाणपत्र, धर्म प्रमाणपत्र, नया आधार नामांकन और पांच साल तक का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट, और सामान्य जाति प्रमाणपत्र बिना किसी शुल्क के जारी किए जाएंगे। आदेश में कहा गया है कि चूल्हा का उद्धरण 7 रुपये के शुल्क पर जारी किया जाएगा। इन प्रमाणपत्रों के लिए 20 रुपये का शुल्क- ओबीसी-जेके , ओबीसी-भारत सरकार, ईडब्ल्यूएस, एसटी , एससी , कानूनी उत्तराधिकारी , बेरोजगारी, आरबीए ,आय निर्भरता, पुनर्वास योजना के लिए पारिवारिक आय या संपत्ति, अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा, एएलसी ,सीमावर्ती क्षेत्र के निवासी ,प्रमाणपत्र, पुनर्विवाह न करने का प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक, सुपर वरिष्ठ नागरिक और आश्रित प्रमाणपत्र के लिए 20 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। संपत्ति और आय प्रमाणपत्र- प्रशासन ने 20 लाख रुपये तक के संपत्ति प्रमाणपत्र के लिए 100 रुपये और 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति के लिए 500 रुपये का शुल्क तय किया है। आय प्रमाणपत्र के लिए, आवेदक को 1 लाख रुपये तक की आय के लिए 20 रुपये, 1 लाख से 5 लाख रुपये के बीच की आय के लिए 50 रुपये और 5 लाख रुपये से अधिक की आय के लिए 500 रुपये देने होंगे। भूमि रिकॉर्ड दस्तावेज- भूमि रिकॉर्ड दस्तावेजों के संबंध में, फर्द इंतखाब के उद्धरण के लिए शुल्क शहरी क्षेत्रों के लिए 1000 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 100 रुपये प्रति कनाल निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि गिरदावरी, जमाबंदी, अक्सी मसावी या लाठा के उद्धरण और भार प्रमाणपत्र की लागत शहरी क्षेत्रों के लिए 500 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 100 रुपये होगी।

इंडी गठबंधन 'अगर-मगर' के साथ महिला आरक्षण का कर रहा विरोध : अमित शाह

नई दिल्ली, 17 अप्रैल । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण से जुड़े तीन विधेयकों पर लोकसभा में हुई चर्चा के जवाब में शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन के घटक दलों के नेता 'अगर-मगर' के जरिए महिला आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि 130 सदस्यों को बोलने का अवसर दिया गया, जिनमें 56 महिलाएं शामिल थीं। किसी ने भी महिला आरक्षण के संवैधानिक संशोधन का खुलकर विरोध नहीं किया, लेकिन अधिकांश विपक्षी दलों ने 'अगर-मगर' और 'किंतु-परंतु' के जरिए इसे कमजोर करने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि जो दल परिसीमन का विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए सीटों में बढ़ोतरी का भी विरोध कर रहे हैं। शाह ने कहा कि संविधान में परिसीमन का प्रावधान इसी उद्देश्य से

किया गया है कि जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व संतुलित रहे। तीन विधेयकों के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए गृहमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिला सशक्तीकरण को समयबद्ध तरीके से लागू करना है, ताकि 2029 का लोकसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ कराया जा सके।

21 किलो से अधिक अफीम (पोस्ता) बरामद, एक व्यक्ति पर मामला दर्ज

जम्मू तवी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कठुआ जिले में अवैध रूप से उगाई गई 21.68 किलोग्राम अफीम (पोस्ता) की फसल जब्त की है और इस मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि बिलावर के पल्लन क्षेत्र में अफीम की अवैध खेती की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में गुरुवार को अभियान चलाया।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 21.68 किलोग्राम पोस्ता की फसल जब्त की और नियमानुसार कार्यवाही करते हुए कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मौके पर ही इसे नष्ट कर दिया।

रज़दान टॉप पर ताजा हिमपात के बाद 85 किमी. लंबा बांदीपोरा-गुरेज मार्ग बंद

श्रीनगर, 17 अप्रैल। रज़दान टॉप पर ताजा हिमपात के बाद शुक्रवार को 85 किलोमीटर लंबा बांदीपोरा-गुरेज मार्ग बंद कर दिया गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि

गुरेज़ के उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) मुख्तार अहमद ने कहा कि बांदीपोरा को सुदूर गुरेज घाटी से जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर एहतियात के तौर पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है, क्योंकि हिमपात के कारण ऊंचाई पर स्थित रज़दान दर्रा फिसलन भरा और यातायात के लिए असुरक्षित हो गया है। बांदीपोरा-गुरेज मार्ग पर आवागमन अगले आदेश तक बंद रहेगा।

प्रशासन ने एक सलाह जारी कर निवासियों और यात्रियों से इस मार्ग पर अनावश्यक आवागमन से बचने और सड़क के सुरक्षित घोषित होने तक आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है।

परिसीमन को लेकर लोग चिंतित : फारुक

जम्मू तवी, 17 अप्रैल। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि चल रही परिसीमन प्रक्रिया और हालिया विधायी फैसलों को जिस तरीके से संभाला जा रहा है, उससे लोग चिंतित हैं और इससे जनता में असमंजस की स्थिति पैदा हुई है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र ने पहले विधेयक को वापस लिया क्योंकि उसके पास आवश्यक संख्या नहीं थी और बाद में पुराने संस्करण को बहाल करने का फैसला किया।

उन्होंने पहले बिल वापस लिया। ऐसा क्यों किया? क्योंकि लोगों को चिंताएं थीं और उन्हें पता था कि दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाएगा। फिर अचानक उन्होंने फैसला बदला और 2023 में पारित पुराने बि को फिर से लाने का निर्णय लिय, उन्होंने कहा न्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से लोगों में चिंता और अविश्वास बढ़ा है। फ्दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, जो उनके पास नहीं है। अब वे क्या करेंगे, यह भगवान ही जानता है। लोग चिंतित हैं और यह तरीका सही नहीं है। उम्मीद है कि वे लोगों की बात सुनेंगे, उन्होंने कहा।

जम्मू-कश्मीर में परिसीमन प्रक्रिया का जिक्र करते हुए एनसी अध्यक्ष ने कहा कि इससे पहले ही लोगों में गंभीर आशंकाएं पैदा हो चुकी हैं आपने देखा कि यहां परिसीमन कैसे हुआ। अब लोग पहले से ज्यादा चिंतित हैं। उनका उद्देश्य क्या है? यही सवाल है, उन्होंने कहा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच संभावित वार्ता पर उन्होंने कहा कि कोई भी समझौता जो शांति सुनिश्चित करे, वह दुनिया के लिए लाभदायक होगा इसमें कुछ नया नहीं है। हमने राष्ट्रपति ट्रंप का बयान सुना है कि यदि दोनों पक्ष सहमत होते हैं तो वह खुद हस्ताक्षर करने आ सकते हैं।

घटिया बीज मामले में कंपनी पर एफआईआर, किसानों को मुआवजे के निर्देशः शिवराज चौहान

नई दिल्ली, 17 अप्रैल । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के धार और खरगोन जिलों के किसानों को घटिया बीज और पौध सामग्री से हुए नुकसान मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार, मध्य प्रदेश के धार और खरगोन के किसान यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले और करेला की फसल में भारी नुकसान की जानकारी दी। किसानों ने बताया कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से बीज और पौधे खरीदे थे, लेकिन फसल अपेक्षित उत्पादन नहीं दे सकी। फलों का आकार छोटा रहा, वे पीले पड़ गए और समय से पहले गिरने लगे, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धार जिले के मनावर थाने में ननहेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह एफआईआर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराओं 3 और 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत दर्ज की गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि किसानों को प्रमाणित बताकर निम्न गुणवत्ता वाले बीज और उनसे तैयार पौधे बेचे गए। शिकायत के अनुसार, इससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई। किसानों ने 17 फरवरी 2026 को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों ने जांच की। शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल फसल खराब होने का मामला नहीं है, बल्कि किसानों के विश्वास, मेहनत और पूंजी पर सीधा आघात है, इसलिए इस पर गंभीरता से कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ अन्याय, लापरवाही या धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार प्रभावित किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है

डीएम जम्मू का सख्त आदेश-सोशल मीडिया पर भड़काऊ व फेक कंटेंट पूरी तरह प्रतिबंधित

जम्मू, 17 अप्रैल । जिला मजिस्ट्रेट जम्मू डॉ. राकेश मिन्हास द्वारा कानून-व्यवस्था और साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए एक सख्त आदेश जारी किया गया है। आदेश के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भड़काऊ, भ्रामक और फर्जी सामग्री के प्रसार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

आदेश में कहा गया है कि व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स का दुरुपयोग कर सांप्रदायिक तनाव फैलाने, झूठी खबरें फैलाने या भड़काऊ सामग्री साझा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाला कंटेंट पोस्ट/शेयर नहीं करेगा फर्जी या भ्रामक जानकारी प्रसारित नहीं करेगा, मॉर्फ्ड या संदर्भ से हटे वीडियो/तस्वीरें शेयर नहीं करेगा और किसी समुदाय के खिलाफ हिंसा या बहिष्कार के लिए उकसावे वाले संदेश नहीं फैलाएगा यह आदेश बीएनएसएस 2023 की धारा 163 और आईटी एक्ट के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि शांति और भाईचारे को बनाए रखने में सहयोग करें और केवल सत्यापित जानकारी ही साझा करें।

आईजीपी ने आगामी त्योहारों और हज यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा की गहन समीक्षा की

श्रीनगर, 17 अप्रैल । कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वी.के. बर्डी ने कश्मीर घाटी में को आगामी त्योहारों और हज यात्रा की तैयारियों को देखते हुए सुरक्षा की गहन समीक्षा की।

उन्होंने संवेदनशीलता वाले इलाकों में गश्त बढ़ाने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर निगरानी तेज करने और सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं को रोकने के निर्देश दिए हैं। बैठक में भीड़ प्रबंधन, हज यात्रियों की सुविधा और श्रीनगर में यातायात सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

आईजीपी ने अधिकारियों को हज यात्रियों की सुरक्षित और व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्धारित बिंदुओं

पर पर्याप्त सुरक्षा और समन्वय के निर्देश दिए। संवेदनशील इलाकों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान को तेज करने के लिए कहा गया है। अंतर-जिला सीमाओं पर संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है ताकि गलत सूचनाओं के प्रसार को रोका जा सके। श्रीनगर शहर में यातायात भीड़ को कम करने के लिए एक व्यापक योजना लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

हज यात्रा 2026- भारतीय हजयात्रियों का पहला जत्था 18 अप्रैल को रवाना होगा

नई दिल्ली 17 अप्रैल। भारत से वर्ष 2026 की हज यात्रा 18 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली है। हजयात्रियों का पहला जत्था देश भर के विभिन्न प्रस्थान बिंदुओं से सऊदी अरब के लिए रवाना होगा। इस पाक हज यात्रा में कुल 1,75,025 हजयात्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी हजयात्रियों को शुभकामनाएं दीं और सुगम, सुरक्षित और आरामदायक हज यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने बताया कि मंत्रालय ने हजयात्रियों के लिए सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए इस वर्ष कई नई पहलें की हैं। हज के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने भारतीय हज समिति, अन्य केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और सऊदी अधिकारियों के समन्वय से व्यापक

व्यवस्थाएं की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य हजयात्रियों के लिए सुगम लॉजिस्टिक्स व्यवस्था और जमीनी स्तर पर बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करना है। हज 2026 के लिए शुरू की गई प्रमुख नई पहलों में हज सुविधा ऐप के माध्यम से उन्नत डिजिटल सुविधा, लापता हजयात्रियों का पता लगाने तथा सहायता प्राप्त करने के लिए हज सुविधा स्मार्ट रिस्टबैंड का वितरण, और पहली बार लगभग 20 दिनों के अल्प अवधि के हज विकल्प की शुरुआत शामिल है, जिससे हजयात्रियों को अधिक लचीलापन मिलेगा। भारत सरकार ने प्रत्येक हजयात्री के लिए लगभग 6,25,000 रुपये का संवर्धित बीमा कवरेज भी सुनिश्चित किया है, जिससे हजयात्रा के दौरान वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी। इसके अलावा, लगभग 60,000 हजयात्री मक्का और मदीना के बीच हाई-स्पीड ट्रेन कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकेंगे, जिससे शहर के अंदर आवागमन तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक होगी। साथ ही, सऊदी अरब में आवास और परिवहन सेवाओं के लिए बेहतर समन्वय, बेहतर तत्क्षण निगरानी और शिकायत निवारण तंत्र, बेहतर चिकित्सा जांच तथा स्वास्थ्य सेवा सहायता, और बेहतर समन्वय जैसे उपाय भी लागू किए गए हैं।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

पति को कराएं

बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए

लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

लखनपुर में आबकारी विभाग का नुक्कड़ नाटक, नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान तेज

कठुआ, 17 अप्रैल (हि.स.)। आबकारी विभाग कठुआ द्वारा शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर में एक प्रभावी नुक्कड़ नाटक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चैक लखनपुर में किया गया, जहां कलाकारों ने नशे के दुष्प्रभावों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी को दर्शाते हुए प्रस्तुति दी। इस अवसर पर लखनपुर नगर समिति के पूर्व अध्यक्ष रविंदर कुमार शर्मा ने कहा कि नशे की समस्या आज समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने बताया कि सरकार और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए इसे जड़ से खत्म करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और एक स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों, अधिकारियों और समाजसेवियों ने भाग लिया तथा आबकारी विभाग की इस पहल की सराहना की।

पंजाब के पहलवान ने जीता झज्जर कोटली दंगल

जम्मू, 17 अप्रैल। पंजाब के होशियारपुर के पहलवान छोटा सद्दाम ने झज्जर कोटली में आयोजित 99वें झज्जर कोटली दंगल का खिताब जीता। उन्होंने पंजाब (फगवाड़ा) के लल्ली को कड़े मुकाबले में हराया।

खिताब विजेता छोटा सद्दाम को 80,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि उपविजेता लल्ली को 70,000 रुपये मिले। इस दंगल में कुल 46 मुकाबले खेले गए, जिसका आयोजन झज्जर कोटली केसरी दंगल कमेटी ने जम्मू-कश्मीर इंडियन स्टाइल रेसलिंग एसोसिएशन के सहयोग से किया। दूसरे मुख्य मुकाबले में डोडा के नदीम (18,000 रुपये) ने पंजाब के डेरा बाबा नानक के सरवन (13,000 रुपये) को हराया, जबकि कठुआ के रिशु और डोडा के निसार के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा और दोनों ने 15,000 रुपये की राशि साझा की। चौथा मुख्य मुकाबला जम्मू-कश्मीर पुलिस के सुरजीत सिंह ने डोडा के आरिफ को हराकर जीता, जबकि पांचवां मुकाबला जम्मू-कश्मीर पुलिस के फिजा ने जम्मू के युवराज को हराकर अपने नाम किया। एक अन्य मुकाबले में पंज गरनी के मुनीर ने मुल्लापुर के दीपक को हराया। अन्य परिणाम- जम्मू-कश्मीर पुलिस के आमिर खान ने बसंतगढ़ के इरफान को हराया; जम्मू के अर्जुन ने पंजाब के लायकत अली को हराया; रियासी के चैन सिंह ने मुल्लापुर के बाबल को हराया; जम्मू के खरपू ने होशियारपुर के अख्तर को हराया; जम्मू-कश्मीर पुलिस के दिलार ने हमीरपुर के सूरमा को हराया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के रणजीत सिंह और होशियारपुर के शरीफ के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

जिला अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता नंद किशोर शर्मा मुख्य अतिथि थे, जबकि जम्मू-कश्मीर इंडियन स्टाइल रेसलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। झज्जर कोटली के एसएचओ सुनील शर्मा और नायब तहसीलदार बिशन दत्त विशिष्ट अतिथि रहे। दंगल का आयोजन दुर्गा दास थप्पा, ओम प्रकाश दुबे, नजीर मोहम्मद धामी, नरेश कुमार (पप्पू लकड़ी) और सतपाल वर्मा की देखरेख में किया गया। खेल न केवल शारीरिक ताकत बढ़ाते हैं बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व के गुण भी विकसित करते हैं और नशामुक्त समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, शिव कुमार शर्मा ने कहा।

आईजीपी ने आगामी त्योहारों और हज यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा की गहन समीक्षा की

श्रीनगर, 17 अप्रैल (हि.स.)। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वी.के. बर्डी ने कश्मीर घाटी में को आगामी त्योहारों और हज यात्रा की तैयारियों को देखते हुए सुरक्षा की गहन समीक्षा की। उन्होंने संवेदनशीलता वाले इलाकों में गश्त बढ़ाने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर निगरानी तेज करने और सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं को रोकने के निर्देश दिए हैं। बैठक में भीड़ प्रबंधन, हज यात्रियों की सुविधा और श्रीनगर में यातायात सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

आईजीपी ने अधिकारियों को हज यात्रियों की सुरक्षित और व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्धारित बिंदुओं पर पर्याप्त सुरक्षा और समन्वय के निर्देश दिए। संवेदनशील इलाकों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान को तेज करने के लिए कहा गया है। अंतर-जिला सीमाओं पर संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है ताकि गलत सूचनाओं के प्रसार को रोका जा सके। श्रीनगर शहर में यातायात भीड़ को कम करने के लिए एक व्यापक योजना लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में 18 अप्रैल से प्रवासियों को मुफ्त राशन वितरित किया जाएगा

जम्मू , 17 अप्रैल(हि.स.)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश में निर्दिष्ट राशन डिपो में 18 अप्रैल से प्रवासियों को मुफ्त राशन वितरण की घोषणा की। आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग के अनुसार राशन वितरण 5 मार्च को सरकार द्वारा अधिसूचित कश्मीर और जम्मू दोनों डिवीजनों में प्रवासियों के लिए एक विशेष योजना के तहत किया जाएगा। राहत आयुक्त अरविंद कारवानी ने कहा कि सभी राहत राशन कार्ड धारकों को, प्राथमिकता वाले घर, गैर-प्राथमिकता वाले घर या विशेष श्रेणी में उनके वर्गीकरण के बावजूद मौजूदा पैमाने के अनुसार 1 किलो चीनी के साथ प्रति व्यक्ति प्रति माह 11 किलो मुफ्त राशन मिलता रहेगा। अधिकारी ने कहा कि गैर-राहत श्रेणी के तहत राहत विभाग में पंजीकृत व्यक्तियों जैसे कि पेंशनभोगी और गैर-प्राथमिकता वाले परिवारों के तहत वर्गीकृत, को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत उनकी पात्रता के अनुसार सरकार द्वारा अनुमोदित दरों पर राशन मिलेगा। प्रवासी राशन कार्डों को एनएफएसए डेटाबेस के साथ एकीकृत करने के लिए सरकार ने पहले ही जम्मू और कश्मीर खाद्य सुरक्षा नियम, 2021 और लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश में आवश्यक संशोधन कर दिए हैं।

ज्ञान भारतम सर्वे को लेकर कठुआ प्रशासन ने दिया प्रशिक्षण, अधिकारियों को किए निर्देश

कठुआ, 17 अप्रैल (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने ज्ञान भारतम सर्वे के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सुरिंदर मोहन, सहायक आयुक्त पंचायत अजीत कुमार, बीडीओ मुख्यालय शालू देवी सहित विभिन्न ब्लॉक विकास अधिकारी, कार्यकारी अधिकारी और पंचायत सचिवों ने भाग लिया।

तकनीकी सत्र का संचालन कश्मीर विश्वविद्यालय से जुड़े संसाधन व्यक्ति डॉ. जहांगीर इकबाल ने किया। उन्होंने सर्वे के उद्देश्य, कार्यप्रणाली और जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने डेटा संग्रह में सटीकता और निर्धारित दिशा-निर्देशों के पालन पर विशेष जोर दिया। एडीडीसी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सर्वे के दौरान पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक घर तक पहुंच सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी परिवार छूट न जाए।

अमावस्या पर वेद मंदिर योल में विशेष यज्ञानुष्ठान

कठुआ, 17 अप्रैल (हि.स.)। योल स्थित स्थानीय वेद मंदिर में चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के अंतर्गत स्वामी राम स्वरूप योगाचार्य ने श्रद्धालुओं को अमावस्या के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि अमावस्या वह शुभ दिन है जब सूर्य और चंद्रमा एक साथ स्थित होते हैं। सूर्य जहां प्रकाश और तेज का प्रतीक है, वहीं चंद्रमा आनंद और सौम्यता का प्रतिनिधित्व करता है।

स्वामी जी ने कहा कि वेदों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को इन दिव्य गुणों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उन्होंने अथर्ववेद के मंत्र 7/79/1 का उल्लेख करते हुए बताया कि इस दिन विद्वान जन मिलकर यज्ञ करते हैं, जिससे सौभाग्य, सुख, अन्न-धन और उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि अमावस्या का वास्तविक उद्देश्य यज्ञ और वेद साधना के माध्यम से जीवन में समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति लाना है। लेकिन वेद ज्ञान के अभाव में आज समाज में इस दिन को गलत परंपराओं जैसे नशा, मांसाहार और अंधविश्वासों से जोड़ दिया गया है, जो चिंताजनक है

8.44 ग्राम चिट्टे के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 17 अप्रैल (हि.स.)। नशे के खिलाफ जारी अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने राजबाग क्षेत्र के संजवां में कार्रवाई करते हुए करीब 8.44 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर राजबाग थाना पुलिस ने संजवान इलाके में नाका लगाकर जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चिट्टा जैसा नशीला पदार्थ बरामद हुआ। आरोपी की पहचान बरकत अली निवासी तहसील बनी जिला कठुआ के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशा मुक्त बनाया जा सके।

समिति ने पूरी की 24वीं माता वैष्णो देवी परिक्रमा यात्रा

जम्मू, 17 अप्रैल। कुछ व्यक्तियों द्वारा शुरू की गई पहल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, क्योंकि मासिक श्री माता वैष्णो देवी त्रिकुटा पर्वत परिक्रमा यात्रा ने लगातार दो वर्षों में 24 यात्राएं पूरी कर ली हैं। नियमित रूप से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के कारण यह पहल अब एक धार्मिक संवाद का रूप ले चुकी है, जहां विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोग छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजित कर यात्रियों का स्वागत करते हैं और प्रार्थनाओं में शामिल होते हैं। यह शुरुआत कुछ व्यक्तियों द्वारा की गई थी, लेकिन अब इसे श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का भी समर्थन मिला है। यात्रा मार्ग पर नौ मंदिरों की स्वीकृति दी गई है, जिनमें से चार पहले ही कार्यरत हैं, रियासी जिले के श्री माता वैष्णो देवी त्रिकुटा पर्वत तीर्थ परिक्रमा समिति के संयोजक टाकन दास ने बताया। परिक्रमा मार्ग के दूरदराज के गांवों के लोग भी इस यात्रा को लेकर उत्साहित और सहयोगी रहे। यह यात्रा 'संक्रांति' के दिन आयोजित होती है, जिसमें लगभग 15 श्रद्धालु शामिल होते हैं और दिनभर चलने वाली यह यात्रा रियासी से काली और गणेश मंदिर में पूजा से शुरू होती है। बस से ग्रान मोड़ रेलवे स्टेशन होते हुए यात्रा आगे बढ़ती है और 'अंजनी' रेलवे पुल के पास स्थित कालिका मंदिर में संक्षिप्त विश्राम किया जाता है। करीब 40 किलोमीटर सड़क यात्रा के बाद, श्रद्धालु सुखाल घाटी से जंगल गली तक सात किलोमीटर पैदल चलते हैं, जो पहाड़ी और घने जंगलों से होकर गुजरता है। इसके बाद उधमपुर जिले के जंगल गली से बस द्वारा मट्टल गांव पहुंचते हैं और शाम को रियासी लौटकर यात्रा पूरी करते हैं, 79 वर्षीय टाकन दास ने बताया।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जीडीसी बनी में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ , 17 अप्रैल (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बनी में ड्रग एडिक्शन ए कैंसर टू सोसायटी विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नीना गुप्ता के संरक्षण में हुआ, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए नशे के दुष्प्रभावों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. जे. एस. सूदान ने स्वागत भाषण दिया जबकि प्राचार्य ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर सकारात्मक सोच और कड़ी मेहनत अपनाने के लिए प्रेरित

किया। प्रतियोगिता में शिवानी देवी ने प्रथम सविता देवी ने द्वितीय और रमन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. मुल्ख राज और प्रो. राजनेश कुमार शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन डॉ. निशा देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

रविवार तक जम्मू -कश्मीर में मौसम रहेगा सुहाना

श्रीनगर, 17 अप्रैल(हि.स.)। रविवार तक कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने के पूर्वानुमान के बीच कश्मीर में पिछले 24 घंटों में हल्की बारिश हुई । मौसम विभाग के आंकड़ों से पता चला है कि ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में इस अवधि के दौरान 2.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। अन्य क्षेत्रों में दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड में 4.4 मिमी, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में 6 मिमी बारिश हुई जबकि गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में 7 मिमी दर्ज की गई जिससे यह घाटी में सबसे अधिक नमी वाले स्थानों में से एक बन गया। दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में 5.4 मिमी बारिश हुई। इस बीच कश्मीर संभाग में रात का तापमान कई स्थानों पर सामान्य से 0-3 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा।

नशा मुक्त अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने अवैध अफीम की खेती नष्ट की

कठुआ, 17 अप्रैल (हि.स.)। नशा मुक्त अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने बिलावर क्षेत्र के पल्लन में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। इस दौरान पुलिस ने करीब 21.680 किलोग्राम वजन के 180 अफीम (पोस्ता) के पौधे बरामद किए।

पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बिलावर थाना की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जांच के दौरान खुश मोहम्मद निवासी पल्लन, तहसील बिलावर को अपनी कृषि भूमि में अवैध रूप से अफीम की खेती करते पाया गया।

पुलिस ने मौके पर ही पूरी फसल जब्त कर ली और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कठुआ पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें, ताकि समाज को नशा मुक्त बनाया जा सके

बिलावर में डॉ. मनोहर लाल शर्मा ने उठाए बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व जनहित के मुद्दे

कठुआ, 17 अप्रैल (हि.स.)। पूर्व मंत्री डॉ. मनोहर लाल शर्मा ने बिलावर के धर्मनी स्थित खजूरिया फार्म में आयोजित मासिक जनसभा के दौरान क्षेत्र की प्रमुख जनसमस्याओं को जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि इससे युवाओं में निराशा बढ़ रही है और पलायन की स्थिति बन रही है।डॉ. शर्मा ने भ्रष्टाचार पर चिंता जताते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की। साथ ही नशे की बढ़ती समस्या को समाज के लिए बड़ा खतरा बताया और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई व जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने बिलावर को जिला का दर्जा देने, दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि और पेंशन समय पर देने की मांग उठाई। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की भी वकालत की। सभा में कई स्थानीय नेता, पूर्व जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और समावेशी विकास की मांग के साथ हुआ।

सीमेंट बल्कर टैंकर में गो-तस्करी प्रयास विफल, 15 पशु मुक्त करवाए

सांबा, 17 अप्रैल (हि.स.)। सांबा पुलिस ने घगवाल थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए गो-तस्करी की एक कोशिश को नाकाम कर 15 मवेशियों को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने इस दौरान तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे सीमेंट बल्कर टैंकर एचआर55एबी-7460 को भी जब्त कर लिया।

जानकारी के अनुसार पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एनएचडब्ल्यू टपयाल नाके पर वाहन को रोका गया।

जांच के दौरान टैंकर के अंदर 15 मवेशी क्रूर तरीके से बंधे हुए पाए गए, जिन्हें बिना किसी वैध अनुमति के ले जाया जा रहा था।

पुलिस ने सभी मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और वाहन को कब्जे में ले लिया। इस संबंध में थाना घगवाल में एफआईआर संख्या 39/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

Government of Jammu and Kashmir
Directorate of Colleges
Higher Education Department

ADMISSION AWARENESS NOTICE

Admissions to Four-Year Undergraduate Programs (FYUGP) / Integrated P.G. Programs - Academic Session 2026-2027

The Department of Higher Education, Government of Jammu & Kashmir, informs all aspiring students that the admission process for the Academic Session 2026-27 for Four-Year Undergraduate Programs (FYUGP) / Integrated P.G. Programs with multiple-exit options across all Government Degree Colleges of J&K shall commence shortly.

This information is being issued in advance to enable students and parents to prepare for the upcoming admission cycle. Students are advised to note the following important changes and updates for the session 2026-27:

I. PROCESS OF ADMISSION FOR ACADEMIC SESSION 2026-27

- Admissions on the basis of 10+2 Merit: All undergraduate admissions for the session 2026-27 across all Government Degree Colleges in J&K shall be granted on Non-CUET basis as per 10+2 scores/merit.
- Centralised Admission Portal: All students shall be required to register and apply through a Centralised Admission Portal. The portal link and registration details shall be notified separately.
- Preference-based College and Course Allotment: Students shall be required to submit their course and college preferences on the Centralised Admission Portal. The allotment of colleges shall be made on the basis of 10+2 merit and the preferences submitted by the candidates.

II. ADMISSION TIMELINE

- The detailed schedule with specific dates for registration, preference filling, allotment rounds, fee payment and other activities shall be notified along with the formal Admission Notification.

III. ADVISORY FOR STUDENTS AND PARENTS

- Students who have passed or have appeared in the Class 10+2 examination from JK Board of School Education, CBSE, or any recognised Board are advised to begin exploring the various programs offered by Government Degree Colleges in J&K.
- Students and parents are encouraged to visit the college campuses of their choice to learn about the programs being offered, understand the structure of Four-Year Undergraduate Programs (FYUGP) under NEP 2020, and interact with the faculty.
- Admission Counselling and Facilitation Cells have been established and are already active in all Government Degree Colleges across the UT. Students may approach these cells for guidance on course selection, program structure, eligibility, and any other admission-related queries. Students are advised to familiarise themselves with the key features of NEP 2020 including multiple exit options (Certificate after 1st year, Diploma after 2nd year, Degree after 3rd year, and Honours/Research after 4th year), Major-Minor combinations, and academic flexibility.

IV. FOR MORE INFORMATION

Students and parents may visit the official website of the Directorate of Colleges, J&K at https://directorcollegesjk.in/ , under Courses Tab, to check the details of various Major Programs being offered at different colleges.

The formal Admission Notification with complete details, registration link, and schedule shall be published on the website and through print media in due course.

No: DC-HE/2026/ Dated: 16-04-2026

DIP/J-689/26
Dtd: 17-4-2026

Sd/-
Dr. Sheikh Ajaz Bashir
Director Colleges

संपादकीय

सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर रोक

यह चिंताजनक है कि लोग सोशल मीडिया के दुरुपयोग को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, क्योंकि समय-समय पर पुलिस को इन प्लेटफॉर्म्स पर गलत जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ती है। हाल ही में बारामुला जिले से ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां पुलिस ने शांति भंग करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

ये असामाजिक तत्व पुराने वीडियो को हालिया घटनाओं के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे, जिससे सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही थी। ऐसे मामलों को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि लोगों को सोशल मीडिया के सही और जिम्मेदार उपयोग के बारे में जागरूक किया जाए, खासकर तब जब कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के जरिए किसी भी व्यक्ति की गतिविधियों का पता लगाना आसान हो गया है।

यह भी सच है कि अधिकांश मामलों में शामिल लोग तकनीकी रूप से बहुत दक्ष नहीं होते, बल्कि सामान्य लोग होते हैं जिनकी डिजिटल दुनिया के बारे में सीमित जानकारी होती है। इसलिए जरूरी है कि पुलिस और संबंधित एजेंसियां लोगों को यह समझाएं कि डिजिटल दुनिया में उनके हर कदम के निशान (फुटप्रिंट) आसानी से पहचाने जा सकते हैं और सोशल मीडिया पर गलत काम करने के बाद कोई भी बच नहीं सकता।

यह एक गंभीर मुद्दा है, क्योंकि जब तक एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए गलत काम करने वालों तक पहुंचती हैं, तब तक नुकसान हो चुका होता है। इसलिए जरूरी है कि खासकर गलत इरादे रखने वाले लोगों को यह समझाया जाए कि वे पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों से बच नहीं सकते।

इसलिए बेहतर है कि लोग ऑनलाइन रहते हुए जिम्मेदारी से व्यवहार करें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोग बिना सत्यापित जानकारी को न बनाएं, न साझा करें और न ही उसे बढ़ावा दें, क्योंकि ऐसा करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

पुलिस ऐसे तत्वों को समाज में नफरत फैलाने की अनुमति नहीं दे सकती। इसलिए गलत सोच रखने वाले लोगों को समझना होगा कि किसी भी परिस्थिति में उन्हें शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह शांति सुरक्षा बलों और आम लोगों के प्रयासों से स्थापित हुई है, जिसे हर हाल में बनाए रखना जरूरी है।

यह अच्छी बात है कि कश्मीर में साइबर पुलिस इस मामले में सक्रिय रूप से काम कर रही है और ऐसे अपराधों में शामिल लोगों की पहचान और जांच कर रही है, जो शांति व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

सुरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। ÷अभी न जाओ छोड़ कर÷ जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। ÷पिया तू अब तो आजा÷, ÷दम मारो दम÷, ÷चुरा लिया है तुमने÷, ÷दिल चीज क्या है÷ जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

भारतीय दर्शन और मानसिक स्वास्थ्य

डॉ. शिवानी कटारा

मानसिक स्वास्थ्यता क्या है? भारतीय दर्शन में मानसिक स्वास्थ्यता का मूल तत्व धृति माना गया है और धर्म के दस लक्षणों में प्रथम कहा गया है,

मनुस्मृति 7.92-93

धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः ।

धीर्विद्या सत्यमार्जवमिति धर्मस्य लक्षणम् ॥

अर्थात् — धैर्य (धृति), क्षमा, दमन (संयम), अस्तेय, शौच, इन्द्रियनिग्रह, धी, विद्या, सत्य और आर्जव — यही धर्म के स्वरूप हैं।

धृति केवल साधारण धैर्य नहीं, बल्कि जीवन की रीढ़ है। आज आधुनिक मस्तिष्क-विज्ञान और सकारात्मक मनोविज्ञान इसी धृति को नए नामों में पहचान रहे हैं — मानसिक लचीलापन, भावनात्मक स्थिरता, आत्म-नियंत्रण और आंतरिक शक्ति। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (2022) के अनुसार, जिन लोगों में मानसिक सहनशक्ति अधिक होती है, उनमें तनाव हार्मोन का स्तर कम और हृदय की लय में विविधता) बेहतर होती है — यह मन और शरीर के संतुलन का संकेत है।

धृतिवान व्यक्ति वह है जो हर परिस्थिति में भावनात्मक स्थिरता बनाए रखता है, धैर्य और संयम से निर्णय लेता है, निराशा में भी आशा देखता है, और क्षणिक आवेगों पर नियंत्रण रखकर अपने मूल्यों पर अडिग रहता है। इसका अभाव ही आज के अधिकांश मानसिक विकारों — क्रोध संबंधी समस्या, आवेगशीलता, चिंता और निर्णय थकान — की जड़ है। अतः वास्तविक मानसिक स्वास्थ्य केवल दवाओं या परामर्शों से नहीं, बल्कि भीतर की धृति के विकास से जन्म लेता है — और इसकी शुरुआत होती है आहार से। भारतीय दर्शन कहता है — जैसा अन्न, वैसा मन। और छांदोग्य उपनिषद् में उल्लेख है — आहारशुद्धौ सत्त्वशुद्धिः, अर्थात् जब भोजन शुद्ध होता है, तब मन और बुद्धि भी निर्मल हो जाते हैं। भोजन केवल पेट भरने का नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं को संतुलित करने का माध्यम है। सात्विक भोजन—ताज़ा, हल्का और पौष्टिक—मन को शांत व स्थिर बनाता है, जबकि तला-भुना व प्रसंस्कृत भोजन चिड़चिड़ापन बढ़ाता है। भोजन का तरीका भी महत्वपूर्ण है—धीरे, सजगता और कृतज्ञता के साथ खाना मन को संतुलित करता है, जिसे आधुनिक विज्ञान में माइंडफुल ईटिंग कहा जाता है।

विज्ञान अब मानता है कि हमारे पेट और दिमाग का गहरा संबंध है — जिसे आंत-मस्तिष्क संबंध कहा जाता है। हमारी आँतों में रहने वाले सूक्ष्म जीव सेरोटोनिन जैसे रसायन बनाते हैं, जो हमारे मनोभाव यानी खुशी और तनाव को नियंत्रित करते हैं। अगर आहार अस्वस्थ है, तो यह संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे चिंता, अवसाद और थकान बढ़ती है। हार्वर्ड पब्लिक हेल्थ (2024) के अध्ययन के अनुसार, जो लोग अधिक प्रसंस्कृत भोजन खाते हैं, उनमें अवसाद का जोखिम 35% अधिक होता है। ये सभी केवल धार्मिक साधन नहीं, बल्कि तनाव का जैविक शुद्धिकरण हैं। आधुनिक विज्ञान बताता है कि लगातार तनाव से मस्तिष्क का भय और चिंता नियंत्रक भाग अत्यधिक सक्रिय हो जाता है, जबकि निर्णय और भावनात्मक संतुलन केंद्र) की कार्यक्षमता घटती है। परिणामस्वरूप, चिंता, भय और अवसाद अब हर उम्र में सामान्य हो गए हैं। लेकिन जहाँ विज्ञान कारण बताता है, वहीं अध्यात्म समाधान देता है। नियमित ध्यान से सुख हार्मोन तथा स्नेह हार्मोन बढ़ते हैं — जिससे व्यक्ति में शांति, करुणा और आत्म-नियंत्रण स्वाभाविक रूप से विकसित होता है। मस्तिष्क स्कैन अध्ययनों में पाया गया कि ध्यान करने वालों में शांति तरंगें और गहरी विश्रांति तरंगें अधिक सक्रिय होती हैं। भारतीय दर्शन कहता है — योगः चित्तवृत्ति निरोधः, अर्थात् जब मन की चंचलता थमती है, तभी सच्चा योग और वास्तविक मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। अध्यात्म केवल ध्यान नहीं, बल्कि भक्ति का भी विज्ञान है। जब व्यक्ति यह समझता है कि सब कुछ उसके नियंत्रण में नहीं, और वह किसी विराट शक्ति का अंश है — तब मन में समर्पण का भाव आता है, जो तनाव को पिघला देता है। जैसा कहा गया है — जो हुआ अच्छा हुआ, जो हो रहा है अच्छा हो रहा है, जो होगा अच्छा ही होगा। यह कोई साधारण वाक्य नहीं, बल्कि मानसिक पुनर्व्यवस्था का सिद्धांत है — जब हम जीवन को नियंत्रण नहीं, बल्कि स्वीकार्यता से देखते हैं, तब मन हल्का हो जाता है।

अंतरिक्ष में भारत का अगला कदम अब कुछ ही दूर है!

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक नए युग में प्रवेश कर रही है, जहां उसके सपने उपग्रह प्रक्षेपण या चंद्रमा-मंगल तक सीमित नहीं रह गए हैं, लक्ष्य है; अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना बनाना। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा प्रस्तावित 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' (बीएएस) इसी महत्वाकांक्षा का प्रतीक है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां वह उपग्रह प्रक्षेपण और चंद्र मिशनों के आगे मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में उड़ान भरने को उद्यत है, इसलिए भारत आज इसके अगले चरण स्वदेशी स्पेस स्टेशन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स के निदेशक ए. पकीराज के अनुसार, भारत इसके लिए रूस के दशकों पुराने अनुभव का लाभ उठाना चाहता है। विशेष रूप से कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई, कम्युनिकेशन और ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण सब-सिस्टम में दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। निश्चित ही यह सहयोग विज्ञान में सामरिक और दीर्घकालिक साझेदारी का संकेत भी है।

कोई प्रश्न खड़ा कर सकता है कि रूस का सहयोग ही क्यों लेना? तब इसका सीधा उत्तर यह है कि भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का इतिहास अत्यंत समृद्ध और भरोसेमंद रहा है। वर्ष 1975 में भारत का पहला उपग्रह आर्यभट सोवियत संघ की सहायता से ही प्रक्षेपित किया गया था। इसके बाद 1984 में राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजने में भी सोवियत संघ (अब रूस) ने अहम भूमिका निभाई थी। यह भारत के अंतरिक्ष इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण था।

इसके अलावा क्रायोजेनिक इंजन तकनीक के विकास में रूस का सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वर्तमान में चल रहे गगनयान मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों (व्योमयानियों) के प्रशिक्षण में भी रूस की भूमिका निर्णायक रही है। यह दीर्घकालिक सहयोग अब इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन परियोजना के माध्यम से एक नए आयाम में प्रवेश कर सकता है।

फिलहाल इसरो की योजना के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन वर्ष 2035 तक तैयार हो जाएगा। इसे पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा और इसका झुकाव 51.6 डिग्री होगा। यह संरचना काफी हद तक रूस के प्रस्तावित रशियन ऑर्बिटल स्टेशन (आरओएस) के समान होगी। क्योंकि इस ऊंचाई और झुकाव का चयन वैज्ञानिक अनुसंधान, पृथ्वी अवलोकन और अंतरिक्ष प्रयोगों के लिए उपयुक्त माना जाता है।

यहां सबसे अधिक इस सफलता के साथ जुड़ी अच्छी बात यह है कि 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' का निर्माण भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा, जिनके पास अपना स्वतंत्र मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन हैं। वर्तमान में चीन के पास ही सक्रिय मानवयुक्त स्पेस स्टेशन है, जबकि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को 2030-31 तक डीकमीशन किए जाने की योजना है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नए स्पेस स्टेशनों की आवश्यकता और सहयोग के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

यहां उल्लेखित यह भी है कि इसरो का गगनयान मिशन भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा। इस मिशन के सफल होने के बाद 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना को और गति मिलेगी। गगनयान, 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के लिए एक आधार तैयार करेगा, जहां भारत मानव जीवन समर्थन प्रणाली, अंतरिक्ष में दीर्घकालिक निवास और वैज्ञानिक प्रयोगों का अनुभव प्राप्त करेगा।

वर्तमान समय में निश्चित ही यह हर भारतीय के लिए गौरव की बात है कि भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों ने वैश्विक स्तर पर अपनी विश्वसनीयता सिद्ध की है। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना दिया। इससे पहले मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहली ही कोशिश में पहुंचने वाला पहला देश बना दिया था।

वस्तुत- इन मिशनों ने न सिर्फ भारत की वैज्ञानिक क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले अंतरिक्ष कार्यक्रमों का एक वैश्विक मॉडल भी प्रस्तुत किया। यही दक्षता 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यहां इसकी चर्चा भी आवश्यक है क इसरो ने अपने प्रक्षेपण यानों के क्षेत्र में भी व्यापक प्रगति की है। जीएसएलवी एमके III (अब एलवीएम3) भारत का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जिसका उपयोग गगनयान मिशन में किया जाएगा।

इसके अलावा पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) ने विश्वसनीयता का एक नया मानक स्थापित किया है और यह विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए भी एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। इतना ही नहीं भारत अब निजी क्षेत्र को भी अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल कर रहा है, जिससे नवाचार और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन-स्पेस और एनएसआईएल जैसे संस्थानों के माध्यम से स्टार्टअप्स और निजी कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

यहां सबसे अधिक इस सफलता के साथ जुड़ी अच्छी बात यह है कि 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' का निर्माण भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा, जिनके पास अपना स्वतंत्र मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन हैं। वर्तमान में चीन के पास ही सक्रिय मानवयुक्त स्पेस स्टेशन है, जबकि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को 2030-31 तक डीकमीशन किए जाने की योजना है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नए स्पेस स्टेशनों की आवश्यकता और सहयोग के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां उल्लेखित यह भी है कि इसरो का गगनयान मिशन भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा। इस मिशन के सफल होने के बाद 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना को और गति मिलेगी। गगनयान, 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के लिए एक आधार तैयार करेगा, जहां भारत मानव जीवन समर्थन प्रणाली, अंतरिक्ष में दीर्घकालिक निवास और वैज्ञानिक प्रयोगों का अनुभव प्राप्त करेगा।

ऐसे में स्वभाविक है कि इसरो की उपलब्धियां देश के युवाओं में विज्ञान और तकनीक के प्रति गहरी रुचि पैदा कर रही हैं। चंद्रयान और मंगलयान जैसी सफलताओं ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। अब 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

डोपिंग के खिलाफ सख्ती बढ़ाएगी सरकार, प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी पर बनेगा आपराधिक कानून : डॉ. मांडविर्या

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने डोपिंग के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि सरकार प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी और उनके उपयोग को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ आपराधिक प्रावधान लाने की दिशा में काम कर रही है।वे विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के ग्लोबल एंटी-डोपिंग इंटेलिजेंस एंड इन्वेस्टिगेशन नेटवर्क (गैन) के अंतिम सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। डॉ. मांडविया ने कहा कि आज डोपिंग केवल व्यक्तिगत गलती नहीं रह गई है, बल्कि यह एक संगठित बहुराष्ट्रीय नेटवर्क का रूप ले चुकी है। ऐसे में इसे रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल खेलों में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि खेलों की निष्पक्षता और ईमानदारी बनाए रखने के लिए भी पूरी तरह समर्पित है। मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम 2022 देश में एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान करता है, जबकि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन अधिनियम 2025 के माध्यम से नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अब उन लोगों के खिलाफ सख्त आपराधिक कार्रवाई करने की तैयारी में है, जो प्रतिबंधित पदार्थों की सप्लाई या तस्करी में शामिल हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका, खलील अहमद चोट के कारण आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज खलील अहमद क्वाड्रिसेप (जांघ) की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान उन्हें यह चोट लगी थी। 17वें ओवर की आखिरी गेंद डालने से पहले खलील अचानक रन-अप के दौरान रुक गए और अपने दाहिने पैर को पकड़ लिया। शुरुआत में यह सामान्य क्रैम्प्स जैसा लगा, लेकिन खलील दोबारा गेंदबाजी करने की कोशिश के बाद असहज दिखे और उन्होंने डगआउट की ओर इशारा करते हुए मैदान छोड़ दिया। इसके बाद उनके ओवर की आखिरी गेंद गुरजपनीत ने पूरी की। 28 वर्षीय खलील अहमद इस सीजन में चेन्नई की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा थे। उनकी गैरमौजूदगी टीम के संतुलन पर असर डाल सकती है, खासकर डेथ ओवरों में। खलील की जगह लेने के लिए महाराष्ट्र के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी और रामकृष्ण घोष विकल्प के रूप में सामने हैं। जहां बाएं हाथ के मुकेश चौधरी खलील की तरह ही विकल्प दे सकते हैं, वहीं दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रामकृष्ण घोष टीम को अलग तरह का संयोजन प्रदान कर सकते हैं।

'मैं खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए हूं, उनपर नियंत्रण के लिए नहीं': रिकी पोंटिंग

मुंबई । रिकी पोटिंग की कोचिंग वाली पंजाब किंग्स आईपीएल में सभी विपक्षी टीमों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुई है। आईपीएल 2025 का फाइनल खेलने वाली पंजाब ने आईपीएल 2026 की शुरुआत भी उसी अंदाज में की है और अब तक अपराजेय है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान वानखेड़े में 7 विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद पंजाब किंग्स अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। दमदार जीत और सीजन में टीम के शानदार प्रदर्शन पर पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि वह एक कोच के तौर पर खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और चुनौती देते हैं, लेकिन उन पर नियंत्रण नहीं करते। पोंटिंग ने जियोस्टार पर कहा, 'मेरे लिए, यह सही माहौल बनाने से शुरू होता है, जहां हर खिलाड़ी को लगे कि उसे अहमियत दी जा रही है और वह एक ही पेज पर है। एक कोच के तौर पर, मैं उनका समर्थन करने और चुनौती देने के लिए हूं, उन पर नियंत्रण करने के लिए नहीं हूं। जब वे असफल होते हैं, तब भी उन्हें यह जानना होगा कि यह खेल का हिस्सा है। टी20 क्रिकेट में, आपको किसी भी दिन आगे बढ़ने के लिए बस कुछ ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है। ' उन्होंने कहा कि नीलामी के दौरान भी हमारी यही रणनीति थी। हमारा लक्ष्य स्पष्ट भूमिकाओं के साथ एक मजबूत ग्रुप बनाने पर था। जब खिलाड़ियों के मन में दूसरे के प्रति सहयोग की भावना रहती है, तो नतीजे अच्छे होते हैं।

वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अभय, रमित, जोशना बाहर

हैम्बर्ग । वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है। भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया। हालांकि, उनके हमवतन, पांचवें सीड अभय सिंह और सातवें सीड रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, और 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया। सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉड ने कहा, 'मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था।

स्टटगार्ट ओपन 2026: रयबाकिना और गॉफ क्वार्टरफाइनल में, मुचोवा भी आगे बढ़ीं

एजेंसी

स्टटगार्ट। जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फॉल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा

रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गॉफ ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गॉफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं। ' इससे पहले, कैरोलिना मुचोवा ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एलिस मर्टेंस को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया और क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

खेल प्रौद्योगिकी मंच काबुनी ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉटसन को बनाया अपना मुख्य प्रशिक्षक

एजेंसी

मुंबई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित खेल प्रौद्योगिकी मंच काबुनी ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन को अपना 'मुख्य प्रशिक्षक' नियुक्त किया है। इस साझेदारी को वैश्विक स्तर पर क्रिकेट प्रशिक्षण की दिशा बदलने की एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। काबुनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से हर स्तर के खिलाड़ियों तक विश्वस्तरीय प्रशिक्षण पहुंचाना है। वॉटसन के जुड़ने से तकनीक और व्यावहारिक क्रिकेट अनुभव का मजबूत समन्वय स्थापित होगा, जिससे खिलाड़ियों को आंकड़ों की समझ के साथ मैदान का वास्तविक अनुभव भी मिल सकेगा। काबुनी का मंच पारंपरिक नेट अभ्यास को नया रूप देता है। इसमें खिलाड़ी की गतिविधियों और गेंद की दिशा का वास्तविक समय में विश्लेषण किया जाता है और उसे सरल व उपयोगी सुझावों में परिवर्तित किया जाता है। 'एक प्रतिशत सुधार' की अवधारणा पर आधारित यह प्रणाली छोटी-छोटी त्रुटियों को तुरंत सुधारने पर केंद्रित है, जिससे समय के साथ प्रदर्शन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शेन वॉटसन ने कहा, 'काबुनी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सुधार की प्रक्रिया को सरल बनाता है। क्रिकेट छोटे-छोटे अंतर का खेल है और उन पर ध्यान देकर बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

ईरानी महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया सरकार का जताया आभार, सुरक्षित माहौल में करियर फिर शुरू करने की जताई इच्छा

एजेंसी

मेलबर्न। ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ी फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह ने ऑस्ट्रेलिया सरकार का आभार जताते हुए कहा है कि उन्हें यहां 'सुरक्षित ठिकाना' मिला है और वे अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने के बाद खेल करियर दोबारा शुरू करना चाहती हैं। मानवीय वीजा मिलने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में दोनों खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि उन्हें मिली सहानुभूति और समर्थन ने सुरक्षित भविष्य की उम्मीद जगाई है, जहां वे बिना डर के रह और खेल सकें।

उन्होंने कहा, 'हम ऑस्ट्रेलिया सरकार, विशेष रूप से गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें मानवीय सुरक्षा और इस खूबसूरत देश में सुरक्षित स्थान प्रदान किया। ' दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ने एशियन कप के दौरान ईरानी टीम के छह खिलाड़ियों और एक सपोर्ट स्टाफ को मानवीय वीजा देने का निर्णय लिया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले किए गए थे, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। हालांकि, इस समूह के पांच सदस्य बाद में अपना निर्णय बदलकर ईरान लौट गए, जबकि फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह ऑस्ट्रेलिया में ही रुक गईं। दोनों खिलाड़ी पिछले महीने से ए-लीग महिला टीम ब्रिस्बेन रोअर के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान अपनी सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन को फिर से पटरी पर लाने पर है। उन्होंने आगे कहा, 'हम पेशेवर खिलाड़ी हैं और ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल करियर को जारी रखना हमारा सपना है। ' ईरानी

खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता तब बढ़ी थी, जब एशियन कप के एक मैच के दौरान कुछ खिलाड़ियों ने राष्ट्रगान नहीं गाया था, जिसके बाद ईरानी सरकारी टीवी ने उन्हें 'युद्धकालीन गद्दार' तक करार दिया था। गौरतलब है कि टीम के अन्य खिलाड़ी पिछले महीने तुर्की सीमा के रास्ते कठिन यात्रा के बाद ईरान लौट गए थे।

हर्षित अनेजा की विस्फोटक पारी से आईजीआईपीईएसएस ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस (आईजीआईपीईएसएस) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्याम लाल कॉलेज को 100 रनों के बड़े अंतर से पराजित किया।

इस जीत के हीरो रहे हर्षित अनेजा, जिन्होंने मात्र 23 गेंदों में 65 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उन्हें उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। आईजीआईपीईएसएस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 260 रन बनाए। हर्षित के अलावा दीपान्शु ने भी 25 गेंदों पर 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल थे। गेंदबाजी में कार्तिक कालरा ने 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्याम लाल कॉलेज की टीम दबाव में नजर आई और 160 रनों पर

ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से अस्मित पंवार ने 36 और रवि राज ने 29 रन बनाए, जबकि संदीप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर 4 विकेट झटके। टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में डीसीएसी ने आरएलएसी को 72 रनों से हराया। डीसीएसी की ओर से सुयश प्रताप ने 42 गेंदों में 77 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसीएसी की टीम 20 ओवरों में 182 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में आरएलएसी की टीम 16.3 ओवरों में 110 रन पर सिमट गई। आरएलएसी के लिए तन्मय चोपड़ा ने 22 रन बनाए। डीसीएसी की ओर से मनित वर्मा ने 3/17 और अराधुआ सती ने 3/26 के प्रभावशाली गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए, जबकि अंकित और अंशुल ने क्रमशः 3 और 2 विकेट लेकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

आईपीएल 2026: ऑरेंज कैप की रेस में प्रभसिमरन और अय्यर की मजबूत दावेदारी, विराट शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ रोमांचक होती जा रही है। मैच नंबर 24 के बाद, जहां पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को एकतरफा मुकाबले में हराया, अंक तालिका के साथ-साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन की रेस में भी हलचल देखने को मिली है।

ऑरेंज कैप की दौड़

ऑरेंज कैप की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, लेकिन पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर तेजी से उन्हें चुनौती दे रहे हैं। मुंबई के खिलाफ मुकाबले में प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली, जबकि श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में 66 रन बनाए। इस प्रदर्शन के बाद प्रभसिमरन 211 रन के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, वहीं अय्यर 203 रन बनाकर छठे स्थान पर काबिज हैं। सूची में विराट कोहली के बाद सनराइजर्स

हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन का स्थान है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी, जो कुछ समय पहले तक शीर्ष पर थे, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद सातवें स्थान पर खिसक गए हैं।

पर्पल कैप की स्थिति

पर्पल कैप की रेस में शीर्ष नौ स्थानों पर कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन मुंबई इंडियंस के शार्दुल ठाकुर ने टॉप-10 में जगह बना ली है। वह 6 विकेट के साथ 10वें स्थान पर हैं। इस सूची में गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 10-10 विकेट लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके पीछे लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई 9-9 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार व क्रुणाल पांड्या 7-7 विकेट के साथ इस दौड़ में बने हुए हैं। आईपीएल 2026 में आगे के मुकाबलों के साथ ऑरेंज और पर्पल कैप की यह प्रतिस्पर्धा और भी दिलचस्प होने की उम्मीद है।

मध्य प्रदेश बना भारतीय हॉकी की प्रतिभाओं का केंद्र, 16 वर्षों में हासिल किए 29 पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी मध्य प्रदेश ने पिछले 16 वर्षों में शानदार प्रदर्शन करते हुए हॉकी इंडिया की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कुल 29 पदक जीतकर खुद को भारतीय हॉकी में एक मजबूत प्रतिभा केंद्र के रूप में स्थापित किया है। इस सफलता के पीछे भोपाल और ग्वालियर स्थित मध्य प्रदेश हॉकी अकादमियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

हाल ही में 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में राज्य की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने रजत पदक जीतकर अपनी मजबूत जमीनी संरचना का एक बार फिर प्रदर्शन किया।

महिला वर्ग में दबदबा

मध्य प्रदेश की महिला हॉकी टीमों ने विशेष रूप से प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। पिछले 16 वर्षों में महिला वर्ग में कुल 23 पदक (स्वर्ण, रजत और कांस्य) हासिल किए गए हैं। जूनियर महिला टीम ने 6 पदक (3 स्वर्ण, 3 रजत), जबकि सब जूनियर महिला टीम ने 10 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत, 2 कांस्य) जीते हैं। वहीं, सीनियर महिला टीम ने 7 पदक (2 स्वर्ण, 2 रजत, 3 कांस्य) अपने नाम किए, जिसमें 2021 और 2023 में खिताब जीतना शामिल है।

पुरुष वर्ग में भी मध्य प्रदेश ने 6 पदक (2 स्वर्ण, 3 रजत, 1 कांस्य) जीते हैं। जूनियर पुरुष टीम ने 2 पदक (1 स्वर्ण, 1 कांस्य), सब जूनियर पुरुष टीम ने 3 पदक (1 स्वर्ण, 2 रजत) और सीनियर पुरुष टीम ने 2025 में पहला रजत पदक हासिल किया। इस मजबूत प्रणाली का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देता है। पुरुष वर्ग में विवेक सागर प्रसाद और नीलकांत शर्मा, जबकि महिला वर्ग में सुषिला चानू और ईशिका चौधरी जैसे खिलाड़ी इसी अकादमी प्रणाली से निकलकर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं।

प्रदेश स्तरीय अंडर 20 फुटबॉल चैम्पियनशिप : वाराणसी और झांसी मंडल की टीमें जीतीं

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में प्रदेश स्तरीय अंडर-20 फुटबॉल चैम्पियनशिप के तीसरे दिन खेले गए मुकाबलों में वाराणसी और झांसी मंडल ने दमदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज की, जबकि गोरखपुर ने रोमांचक मुकाबले में टाईब्रेकर के जरिए जीत हासिल की। चैम्पियनशिप को लेकर जिला फुटबॉल एसोसिएशन अमरोहा के सचिव नसीम इकबाल ने बताया कि पहले मुकाबले में झांसी मंडल ने आगरा को एकतरफा 4-0 से हराकर अगले चक्र में जगह बनाई। झांसी के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और आगरा को संभलने का मौका नहीं दिया। दूसरे मुकाबले में गोरखपुर और लखनऊ मंडल के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने

लगातार आक्रमण किए, लेकिन निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इसके बाद निर्णायक ने लिया, जिसमें गोरखपुर ने 4-3 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। गोरखपुर के पास अच्छे खिलाड़ी होने के बावजूद तालमेल की कमी साफ नजर आई। वहीं तीसरा मुकाबला मेजबान मुरादाबाद और वाराणसी मंडल के बीच खेला गया। मुरादाबाद ने घरेलू मैदान का फायदा उठाने की कोशिश की, लेकिन वाराणसी के खिलाड़ियों ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। वाराणसी ने लगातार हमले किए, हालांकि मुरादाबाद के गोलकीपर जाने आलम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई आसान दिखने वाले गोल बचाए और दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। इसके बावजूद वाराणसी ने 4-0 से जीत दर्ज की। दिन के अंतिम मुकाबले में आजमगढ़ और प्रयागराज मंडल आमने-सामने रहे, जिसमें आजमगढ़ ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 3-0 से जीत अपने नाम की।

प्रतियोगिता का संचालन जिला फुटबॉल एसोसिएशन महासचिव नासिर कमाल ने किया। निर्णायक मंडल में हाजी मुनव्वर, सौरभ कुमार सिंह, रमेश जैसल, मो. फरमान, सानिया सलीम, निशिता सिंह शामिल रहीं।

एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के 17 में से 11 पदक पीडब्ल्यूएल पहलवानों के नाम

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल की शुरुआत में प्रोफेशनल रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की सफल वापसी का असर अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सीजन 5 में हिस्सा लेने वाले कई भारतीय और विदेशी पहलवानों ने प्रमुख वैश्विक प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है।जनवरी में नोएडा इंडोर स्टेडियम में आयोजित पीडब्ल्यूएल सीजन 5 में विश्वस्तरीय पहलवानों के साथ भारत के स्थापित और उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिससे यह एक शीर्ष प्रतिस्पर्धी मंच के रूप में और मजबूत हुआ। लीग का प्रभाव अब अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में खिलाड़ियों के प्रदर्शन में नजर आ रहा है, जो एक मजबूत घरेलू प्रतिस्पर्धी ढांचे की अहमियत को दर्शाता है। इस सूची में सबसे आगे सुजीत कलकल रहे हैं, जो पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में दुनिया के शीर्ष पहलवानों में शामिल हो चुके हैं। वर्तमान में ईरान के विश्व चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता रहमान अमौज़ाद के बाद विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सुजीत ने पीडब्ल्यूएल सीजन 5 में दिल्ली दंगल वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व किया था, जहां उन्होंने सात में से छह मुकाबले जीतकर उपविजेता का स्थान हासिल किया। लीग के बाद से सुजीत ने लगातार तीन अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीते हैं, जिसमें ज़ाग्रेब और मुहामेत मालो रैंकिंग सीरीज़ के साथ-साथ इस महीने की शुरुआत में किर्गिस्तान के बिश्केक में एशियन चैंपियनशिप का खिताब शामिल है। महिला 53 किग्रा वर्ग में मीनाक्षी गोयत भी पीडब्ल्यूएल सीजन 5 की बड़ी सफलता बनकर उभरी हैं। पंजाब रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने लीग में अपने तीनों मुकाबले जीते और फिर नेशनल ट्रायल्स में अंतिम पंघल को हराकर भारतीय टीम में जगह बनाई। इसके बाद उन्होंने मुहामेत मालो टूर्नामेंट और बिश्केक में एशियन चैंपियनशिप दोनों में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी मजबूत की है। अन्य प्रमुख प्रदर्शनकर्ताओं में ओलंपिक रजत पदक विजेता अमन सहरावत (पुरुष 61 किग्रा), जिन्होंने टाइगर्स ऑफ मुंबई डैंगल्स के लिए खेलते हुए ज़ाग्रेब और बिश्केक में रजत पदक जीते, जबकि दिनेश धनखड़ (पुरुष 125 किग्रा) ने पंजाब रॉयल्स के लिए दोनों प्रतियोगिताओं में कांस्य पदक हासिल किए।

लखनऊ में जीत के बाद कोहली ने आरसीबी के प्रदर्शन को सराहा, कहा- हम पूरे मैच में आगे रहे

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर मिली 5 विकेट की जीत के बाद टीम के ऑलराउंड प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम ने पूरे मुकाबले में बढ़त बनाए रखी और विपक्ष को वापसी का मौका नहीं दिया। कोहली ने मैच के बाद कहा, 'हमने बल्लेबाजी में काफी पेशेवर रवैया अपनाया। शुरुआत से ही हमारा प्रयास था कि मैच को विपक्ष से दूर ले जाएं। फिल सॉल्ट के आउट होने के बाद हमने आक्रामक रुख अपनाया और उन्हें वापसी का कोई मौका नहीं दिया। टीम में एक बल्लेबाज से दूसरे बल्लेबाज तक लय बनाए रखना हमारे लिए बहुत अच्छा काम कर रहा है। ' उन्होंने आगे कहा, 'दबाव के छोटे-छोटे मौकों पर हमने सही शॉट्स चुने और तुरंत दबाव विपक्ष पर डाल दिया। इसी वजह से हम पूरे मैच में आगे रहे। हालांकि बल्लेबाजी के नजरिए से मैं चाहता था कि हम कम विकेट खोकर मैच खत्म करते, लेकिन अंत में रोमारियो शेफर्ड ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए मुकाबला खत्म किया। ' कोहली ने गेंदबाजों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर कुमार, रासिख सलाम और जोश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आईपीएल 2026 : पंजाब किंग्स की दमदार जीत, मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर टॉप पर पहुंची

एजेंसी

मुंबई। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई की ओर से क्विंटन डिकॉक की नाबाद 112 रन की शानदार पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 195/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। डिकॉक ने 60 गेंदों में 112 रन की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें कई चौके-छक्के शामिल रहे। उनके साथ नमन धीर ने 50 रन बनाकर तीसरे विकेट के लिए 122 रन की अहम साझेदारी की। शुरुआती झटकों के बाद इस साझेदारी ने मुंबई को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 16.3 ओवर में 198/3 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम के

ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 80 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में 66 रन बनाकर जीत सुनिश्चित की। दोनों के बीच 139 रन की साझेदारी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

इस मुकाबले में कई रिकॉर्ड भी बने। प्रभसिमरन सिंह 25 साल की उम्र से पहले पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। वहीं श्रेयस अय्यर ने वानखेड़े स्टेडियम में अपने करियर का पहला अर्धशतक जड़ते हुए 11 साल का इंतजार खत्म किया और लगातार तीसरी फिफ्टी लगाई।

मुंबई की गेंदबाजी इस मैच में कमजोर साबित हुई और अल्लाह गजनफर को छोड़कर कोई भी गेंदबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका। दूसरी ओर, पंजाब की यह पांच मैचों में चौथी जीत है, जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हुआ था। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने साफ कर दिया है कि इस सीजन में वह खिताब की प्रबल दावेदार है, जबकि मुंबई इंडियंस को लगातार चौथी हार से अपने प्रदर्शन पर गंभीरता से विचार करना होगा।

मुनाफावसूली के जाल में फंसा शेयर बाजार, कमजोरी के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार में जोरदार मजबूती हासिल करने के बावजूद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी आई। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। मुनाफा वसूली के दबाव की वजह से सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 1,055 अंक से अधिक लुढ़क गया। वहीं, निफ्टी ने भी ऊपरी स्तर से लगभग 300 अंक का गोता लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, कैपिटल गुड्स और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार की गिरावट से म्यूचुअस फंड्स ने उठाया फायदा, मार्च में 1.13 लाख करोड़ की खरीदारी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव की वजह से अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में मची उथल-पुथल से इंडियन मार्केट में ऐक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने जमकर फ्रेश इनवेस्टमेंट कर अपना कैपिटल बेस मजबूत किया। जियो पॉलिटिकल टेंशन के कारण मार्च के महीने में घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट जहां आम निवेशकों को लगातार हैरान परेशान करती रही, वहीं इस गिरावट का देश के तमाम म्युचुअल फंड हाउस ने जमकर फायदा उठाया। मार्च में म्युचुअल फंड हाउस एक्टिव होकर खरीदारी करते रहे। इस महीने म्युचुअल फंड्स ने लगभग 1.13 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। मार्च के महीने में जोरदार खरीदारी के बावजूद म्युचुअल फंड्स की टोटल ऐसेट वैल्यू (कुल संपत्ति) घटकर 46.60 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गई, जबकि फरवरी के महीने में म्युचुअल फंड्स की टोटल ऐसेट वैल्यू 51.29 लाख करोड़ रुपये थी। दूसरी ओर, मार्च में स्टॉक मार्केट के टोटल मार्केट कैपीटलाइजेशन में म्युचुअल फंड्स की हिस्सेदारी 11.10 प्रतिशत से बढ़ कर 11.30 प्रतिशत हो गई। इस खरीदारी में सबसे बड़ी हिस्सेदारी फाइनेंशियल कंपनियों के स्टॉक्स की रही। म्युचुअल फंड्स ने फाइनेंशियल कंपनियों के शेयरों में मार्च के महीने के दौरान 55,414 करोड़ रुपये का निवेश किया।

फल पकाने में कार्बाइड के उपयोग पर अंकुश लगाने को मंडियों का निरीक्षण तेज करने का निर्देश

नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने फलों को कृत्रिम रूप से पकाने वाले कैल्शियम कार्बाइड जैसे प्रतिबंधित पदार्थों के उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए राज्य खाद्य आयुक्तों को फल मंडियों और गोदामों में निरीक्षण तेज करने का निर्देश दिया। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक पत्र में राज्यों के खाद्य आयुक्तों से ताजे फलों की बिक्री पर अनधिकृत या प्रतिबंधित फलों को पकाने वाले पदार्थों के उपयोग की निगरानी करने को कहा है। प्राधिकरण ने बताया कि आम, केले और पपीते आदि फलों में कृत्रिम रूप से पकाने वाले पदार्थ के रूप में कैल्शियम कार्बाइड (मसाला) का उपयोग उसके नियमों के तहत प्रतिबंधित है। एफएसएसएआई ने कहा कि कैल्शियम कार्बाइड निगलने में कठिनाई, उल्टी और त्वचा के अल्सर जैसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। इसके अलावा, प्राधिकरण ने कहा कि उसे पता चला है कि कुछ खाद्य कारोबारी (एफबीओ) केले और अन्य फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए एथेफोन घोल का उपयोग कर रहे हैं। प्राधिकरण ने निर्देश दिया, ''राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी खाद्य सुरक्षा आयुक्तों और एफएसएसएआई के क्षेत्रीय निदेशकों को सलाह दी जाती है कि वे फलों के बाजारों/मंडियों, भंडारण सुविधाओं, थोक विक्रेताओं और वितरकों पर निगरानी तेज करें और कड़ी निगरानी रखें।

एआई पर नीति, आर्थिक प्रभाव को दिशा देने के लिए अंतर-मंत्रालयी निकाय का गठन

नई दिल्ली। नीति और उसके आर्थिक प्रभावों को दिशा देने के लिए उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी निकाय 'एआई गवर्नेंस एंड इकॉनमिक ग्रुप' (एआईजीईजी) का गठन किया है। एक बयान में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक बयान के मुताबिक, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव इस अंतर-मंत्रालयी निकाय की अध्यक्षता करेंगे। एआईजीईजी विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और क्षेत्रीय नियामकों के बीच नीतिगत समन्वय करेगा और एआई से जुड़े बहु-क्षेत्रीय मुद्दों की निगरानी करेगा। राज्यमंत्री जितिन प्रसाद इस समूह के उपाध्यक्ष होंगे। सरकार ने कहा, ''एआईजीईजी देश के एआई गवर्नेंस ढांचे में शीर्ष निकाय के रूप में काम करेगा। इसे एक 'प्रौद्योगिकी एवं नीति विशेषज्ञ समिति' (टीपीईसी) का सहयोग मिलेगा, जो वैश्विक रुझानों, नई प्रौद्योगिकी, जोखिमों और नियमों पर विशेषज्ञ सलाह देगी।''

गौतम अदाणी बने एशिया के सबसे अमीर शख्स, मुकेश अंबानी को छोड़ा पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के जाने-माने अरबपति उद्योगपति और अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी अब एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। गौतम अदाणी की कुल संपत्ति बढ़कर 92.6 अरब डॉलर हो गई है, जिससे वह वैश्विक स्तर पर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति 90.8 अरब डॉलर रह गई है और वह 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। शीर्ष स्तर पर हुए इस फेरबदल से भू-राजनीतिक तनाव और बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच 2026 में वैश्विक अमीरों की रैंकिंग में जारी अस्थिरता उजागर होती है।

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार के सत्र में अदाणी ग्रुप के शेयरों में जोरदार तेजी देखी गई, जिसने

बेंचमार्क इंडेक्स को भी पीछे छोड़ दिया। इसी के चलते एक ही दिन में गौतम अदाणी की संपत्ति में करीब 3.56 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। वैश्विक स्तर पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क अब भी 656 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज 286 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। टॉप 10 में शामिल अन्य नामों में अमेजन के जेफ बेजोस, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, ओरेकल के लैरी एलिसन, डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल, एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग और एलवीएमएच के सीईओ बर्नार्ड अर्नोल्ट शामिल हैं। गौर करने वाली बात यह है कि 2026 में अब तक दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से 7 की संपत्ति में गिरावट आई है। इनमें बर्नार्ड अर्नोल्ट को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जिनकी संपत्ति 44 अरब डॉलर तक घट गई है। इसके अलावा, स्टीव बॉलमर, बिल गेट्स, वॉरेन बफे और अमांसियो ओर्टेगा जैसे अरबपतियों की संपत्ति में भी गिरावट दर्ज की गई है। क्षेत्रवार विश्लेषण से पता चलता है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर के अरबपतियों का दबदबा अब भी कायम है, जबकि इंडस्ट्रियल, एनर्जी और रिटेल सेक्टर में संपत्ति में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखा गया है। अन्य भारतीय अरबपतियों में लक्ष्मी मित्तल 36.9 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 62वें स्थान पर हैं। शिव नाडार 33.5 अरब डॉलर के साथ 70वें स्थान पर रहे, जबकि शापूर मिस्त्री और उनका परिवार 33.2 अरब डॉलर के साथ 71वें स्थान पर हैं। सावित्री जिंदल 32.7 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 73वें स्थान पर हैं। इसके अलावा सुनील मित्तल, अजीम प्रेमजी, कुमार मंगलम बिड़ला और राधाकिशन दमानी जैसे नाम भी इस सूची में शामिल हैं।

पश्चिम एशिया में युद्धविराम की आहट से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

एजेंसी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी राहत दर्ज की गई, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद है। पश्चिम एशिया में जारी लंबे संघर्ष के थमने की खबरों के बीच वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा लगभग 1 प्रतिशत से अधिक गिरकर 97.99 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और यह 92.91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। भारतीय बाजार में भी इसका सीधा असर दिखा, जहाँ मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कच्चा तेल 2.6 प्रतिशत लुढ़ककर 8,625 रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

तेल की कीमतों में आई इस नरमी का मुख्य श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिवसीय युद्धविराम की घोषणा को दिया जा रहा है। शांति वार्ताओं में प्रगति और ईरान के साथ एक बड़े परमाणु समझौते की संभावनाओं ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर वैश्विक चिंताएं कम कर दी हैं। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट संकेत दिए हैं कि हिंसा समाप्त करने का समय आ गया है और तेहरान के साथ सकारात्मक संवाद जारी है। इस कूटनीतिक सफलता ने बाजार में सकारात्मक उत्साह भर दिया है, जिससे पिछले सत्र की 5 प्रतिशत की उछाल के बाद अब कीमतों में स्थिरता आने लगी है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भारत जैसे प्रमुख आयातक देशों के लिए संजीवनी के समान है, क्योंकि इससे देश के आयात बिल और राजकोषीय दबाव में कमी आएगी।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ सिटियस ट्रांसनेट का आईपीओ, 21 अप्रैल तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट का 1,105 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 29 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 99 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ के तहत 1,105 करोड़ रुपये के कुल 11.05 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इस आईपीओ के जरिये मिलने वाली राशि का इस्तेमाल एसआरपीएल रोड्स प्राइवेट लिमिटेड और त्रिशूर एक्सप्रेसवे लिमिटेड, जोराबट शिलांग एक्सप्रेसवे लिमिटेड, धोला इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और दिबांग इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे कुछ चिन्हित प्रोजेक्ट्स की सिक्योरिटीज के आंशिक या पूर्ण अधिग्रहण के लिए करेगी। इसके अलावा इस राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए भी किया जाएगा। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 25 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 6454.01 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 774.12 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 417.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 219.05 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 1,885.30 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2,038.53 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,65.62 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 1,570.39 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

स्टॉक मार्केट में ओम पावर ट्रांसमिशन की मजबूत शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 175 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3.5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 181.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर छह प्रतिशत प्रीमियम के साथ 186 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर बीएसई पर 190.15 रुपये और एनएसई पर 195.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि कुछ देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर 189 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक आठ प्रतिशत के

फायदे में थे। ओम पावर ट्रांसमिशन का 150.06 करोड़ रुपये का आईपीओ नौ से 13 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.65 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.54 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 150.06 करोड़ रुपये के कुल 85.759 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 133 करोड़ रुपये के 75.75 लाख नए शेयर जारी हुए हैं। इसके अलावा 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इक्वीपमेंट्स और मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। ओम पावर ट्रांसमिशन की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

घरेलू एलपीजी आपूर्ति सामान्य, 4.58 लाख नए पीएनजी कनेक्शनों में गैस की आपूर्ति शुरू: सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि मौजूदा वैश्विक तनावों के बावजूद घरेलू एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। ऑनलाइन बुकिंग के मुकाबले सप्लाई 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है और किसी भी गैस एजेंसी पर सिलेंडर खत्म होने की स्थिति (ड्राई-आउट) की कोई रिपोर्ट नहीं है।

मंत्रालय ने बयान में आगे कहा कि सरकार ने घरेलू एलपीजी, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और वाहनों के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की है। उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मिलने वाले डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के आधार पर डिलीवरी बढ़कर लगभग 92 प्रतिशत हो गई है, जिससे गैस की कालाबाजारी और गलत इस्तेमाल पर रोक लगी है। सरकार के मुताबिक, अब तक करीब 4.58 लाख नए पीएनजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं, जबकि मार्च से अब तक 5.1 लाख नए उपभोक्ताओं ने कनेक्शन के लिए

रजिस्ट्रेशन कराया है। 15 अप्रैल तक करीब 35,000 उपभोक्ताओं ने मायपीएनजीडी.इन वेबसाइट के जरिए अपना एलपीजी कनेक्शन छोड़कर पीएनजी को अपनाया है। एलपीजी की सप्लाई में अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा फार्मा, स्टील, ऑटोमोबाइल, बीज और कृषि सेक्टर को भी प्राथमिकता दी गई है। प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलो वाले छोटे गैस सिलेंडरों की सप्लाई को भी दोगुना कर दिया गया है। साथ ही सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी न करें। सही जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और गैस बुकिंग के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें, ताकि एजेंसी पर जाने की जरूरत न पड़े। मंत्रालय ने आगे बताया कि 23 मार्च से अब तक करीब 15.5 लाख छोटे (5 किलो) एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। वहीं, बुधवार को 7,930 मीट्रिक टन कमर्शियल एलपीजी (करीब 4.17 लाख 19 किलो सिलेंडर) की बिक्री हुई। अप्रैल में पब्लिक सेक्टर कंपनियों की ऑटो एलपीजी बिक्री औसतन 286 मीट्रिक टन प्रतिदिन रही, जो फरवरी के 177 मीट्रिक टन से काफी ज्यादा है।

इस बीच, देश भर में एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को 2,500 से ज्यादा छापे मारे गए। अब तक 238 गैस एजेंसियों पर जुर्माना लगाया गया है और 63 एजेंसियों का लाइसेंस सस्पेंड किया गया है। सरकार ने लोगों से पीएनजी, इलेक्ट्रिक या इंडक्शन चूल्हों जैसे वैकल्पिक ईंधन अपनाने और ऊर्जा बचाने की अपील की है। इसके अलावा, केरोसिन और कोयले की उपलब्धता भी बढ़ाई गई है ताकि एलपीजी पर दबाव कम किया।

एबीबी इंडिया के एक शेयर पर मिलेगा 29.59 रुपये का डिविडेंड, 2 मई है रिकॉर्ड डेट

एजेंसी

नई दिल्ली। एबीबी इंडिया ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए फाइनल डिविडेंड का ऐलान कर दिया है। कंपनी के शेयर होल्डर्स को 29.59 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड दिया जाएगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट दो मई तय की गई है। मतलब दो मई तक जिन लोगों के नाम शेयरों के नाम लाभार्थी मालिकों के तौर पर रजिस्टर ऑफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी के पास या डिपॉजिटरी के रिकॉर्ड्स में दर्ज होंगे, वे लोग ही डिविडेंड के हकदार होंगे।

इससे पहले कंपनी ने कैलेंडर ईयर 2025 के लिए 9.77 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दिया था। एबीबी इंडिया अपने इंटरनल फाइनेंशियल ऑपरेशन के लिए वित्त वर्ष के रूप में अप्रैल से मार्च के कैलेंडर की जगह जनवरी से दिसंबर के कैलेंडर को फॉलो करती है। हालांकि, एक्सटर्नल फाइनेंशियल ऑपरेशन के लिए सामान्य तौर पर मान्य अप्रैल-मार्च के वित्त वर्ष का ही प्रयोग होता है। एक मई को शेयर बाजार में महाराष्ट्र दिवस की छुट्टी होने के कारण रिकॉर्ड डेट दो मई के ठीक पहले वाले कारोबारी दिन 30 अप्रैल को कंपनी का शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगा। इस डिविडेंड की घोषणा फरवरी महीने में हुई थी। अब एबीबी इंडिया की नौ मई को होने वाली सालाना आम बैठक (एजीएम) में डिविडेंड पर शेयरहोल्डर्स की मंजूरी ली जाएगी। कंपनी के शेयर की फेस वैल्यू दो रुपये है। शेयर होल्डर्स के लिए फाइनल डिविडेंड का ऐलान होने के बावजूद आज एबीबी इंडिया के शेयर सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद 6,880 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए। कंपनी के शेयर के मार्केट परफॉर्मेंस की बात करें तो ये शेयर पिछले दो सप्ताह में 12 प्रतिशत, पिछले तीन महीने में 40 प्रतिशत और पिछले तीन साल में 112 प्रतिशत तक चढ़ चुका है। कंपनी का मार्केट कैप 1.45 लाख करोड़ रुपये है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेहुल टेलिकॉम का आईपीओ, 24 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। टेलिकॉम सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर बारह बजे तक कंपनी का आईपीओ 58 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। मेहुल टेलिकॉम के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,35,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,29,600 शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.91 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.08 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, निकुंज स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को एक लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी फायदे में आ गई। इस साल कंपनी को 5.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 7.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त थी। लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी पर सात लाख रुपये का कर्ज हो गया। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर 3.72 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लद चुका है।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये नौ लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 17.10 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 24.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि आज के कारोबार में चांदी मामूली कमजोरी का शिकार हो गया है। शुरुआती कारोबार में सोना 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। अंतरारष्ट्रीय बाजार में आज फिजिकल गोल्ड 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,809.16 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह चांदी भी आज 79.61 डॉलर प्रति औंस की कीमत पर बिक रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,55,730 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,56,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ ने टाटा संस के चेयरमैन चंद्रशेखरन के साथ की बैठक

एजेंसी

मुंबई। सिंगापुर एयरलाइंस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गोह चून फोंग ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। माना जा रहा है कि दोनों पक्षों ने घाटे में चल रही एयर इंडिया के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। फोंग सुबह टाटा समूह के मुख्यालय बॉम्बे हाउस पहुंचे और शाम को रवाना हो गए। टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में भारत सरकार से एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था और बाद में सिंगापुर एयरलाइंस ने विमानन कंपनी में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी।

एक सूत्र ने बताया कि उन्होंने एयर इंडिया के चेयरमैन चंद्रशेखरन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। टाटा समूह के अधिकारियों के साथ हुई बैठकों के बारे में फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है जिनमें पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से बढ़ती परिचालन लागत और करीब एक वर्ष से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद रहने का प्रभाव शामिल है। इन प्रतिबंधों के कारण महत्वाकांक्षी बदलाव योजना के तहत काम कर रही विमानन कंपनी को लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लंबा मार्ग अपनाना पड़ रहा है जिससे ईंधन खपत एवं खर्च बढ़ गया है।इस महीने की शुरुआत में एयर इंडिया ने घोषणा की थी कि उसके सीईओ एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन पद छोड़ेंगे।

हुंडई की नई छोटी विद्युत गाड़ी, टाटा पंच को देगी टक्कर, कीमत क्रेटा से कम, लुक होगा बेहद आकर्षक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में विद्युत वाहनों की बढ़ती मांग के बीच अब वाहन निर्माता कंपनियां एक के बाद एक नए विकल्प बाजार में उतारने की तैयारी कर रही हैं। इसी कड़ी में हुंडई एक नई छोटी विद्युत गाड़ी को लॉन्च करने की योजना बना रही है, जो कीमत और फीचर्स के मामले में ग्राहकों के लिए बेहद आकर्षक साबित हो सकती है। यह नई गाड़ी न केवल बजट के लिहाज से सुलभ होगी, बल्कि डिजाइन और तकनीक के मामले में भी कई बड़े मॉडलों को चुनौती देती नजर आएगी। खास बात यह है कि इसे टाटा पंच जैसे लोकप्रिय मॉडल को सीधी टक्कर देने के लिए तैयार किया जा रहा है।

परीक्षण के दौरान दिखी नई गाड़ी, सामने आए डिजाइन के संकेत

हाल ही में इस नई गाड़ी को परीक्षण के दौरान देखा गया है, जहां इसे पूरी तरह ढके हुए रूप में सड़कों पर दौड़ाया गया। इन झलकियों के आधार पर इसके बाहरी स्वरूप का अनुमान लगाया जा रहा है। सामने आई तस्वीरों से यह स्पष्ट होता है कि कंपनी इस गाड़ी को मजबूत और ऊंचे ढांचे वाले रूप में पेश करने जा रही है, जिससे सड़क पर इसकी मौजूदगी काफी प्रभावशाली नजर आएगी।

इसमें आगे की तरफ खास तरह की प्रकाश पट्टियां दी जा सकती हैं, जो आधुनिक डिजाइन का एहसास कराती हैं। साथ ही नीचे की ओर लगी मुख्य रोशनी इकाई इसे और अलग पहचान देती है। गाड़ी के अगले हिस्से में कंपनी का प्रतीक चिह्न भी नए अंदाज में देखने को मिल सकता है, जो इसे भविष्य की झलक देने वाला बनाता है।

दमदार और उपयोगी बाहरी संरचना

इस गाड़ी के बाहरी हिस्से में कई ऐसे तत्व देखने को मिल सकते हैं, जो इसे मजबूत और उपयोगी बनाते हैं। इसमें दरवाजों के हैंडल बाहर की बजाय भीतर समाहित किए जा सकते

हैं, जिससे इसका रूप और भी साफ-सुथरा दिखाई देता है। पहियों पर आकर्षक पैटर्न वाले धातु के चक्र दिए जाने की संभावना है, जो इसकी खूबसूरती को बढ़ाते हैं। इसके अलावा ऊपर की ओर मजबूत रेलिंग दी जा सकती है, जिससे अतिरिक्त सामान रखने में सुविधा मिल सकती है। पहियों के ऊपर उभरे हुए हिस्से और मजबूत आवरण इसे कठिन रास्तों के लिए भी उपयुक्त बनाते हैं। पीछे की ओर जुड़ी हुई रोशनी पट्टी और ऊपर की तरफ छोटा स्पॉइलर भी देखने को मिल सकता है, जो इसे आधुनिक रूप प्रदान करता है।

गाड़ी के अंदर के हिस्से को भी बेहद आधुनिक और सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें गोलाकार ढांचे में दो बड़े डिजिटल पर्दे दिए जा सकते हैं, जो चालक को सभी जरूरी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएंगे। स्टीयरिंग के साथ जुड़ा गियर चयन करने का तरीका इसे और भी उन्नत बनाता है। अंदर इस्तेमाल होने वाली सामग्री को उच्च गुणवत्ता का रखा जाएगा, जिससे यात्रियों को आरामदायक अनुभव मिल सके। इसके अलावा ध्वनि प्रणाली भी बेहतर हो सकती है, जिससे सफर और आनंददायक बन जाएगा।

सुरक्षा और तकनीक के लिहाज से इसमें उन्नत चालक सहायता प्रणाली, चारों पहियों में डिस्क ब्रेक, चारों तरफ देखने वाला कैमरा, आगे की सीटों में हवा प्रवाह की सुविधा और कई अन्य आधुनिक खूबियां शामिल हो सकती हैं। इस नई विद्युत गाड़ी में लगभग 40 किलोवाट क्षमता की बैटरी दी जा सकती है। एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर यह गाड़ी करीब 400 से 500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है, जो इस श्रेणी में काफी प्रभावशाली मानी जाती है।

इसमें एक विद्युत मोटर दी जा सकती है, जो आगे के पहियों को शक्ति प्रदान करेगी। गति के मामले में भी यह गाड़ी पीछे नहीं रहने वाली है और शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार यह 10 सेकंड से कम समय में पकड़ सकती है।

तुर्की स्कूल शूटिंग मामला: 8 मासूमों समेत 9 की मौत, 1104 सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक

एजेंसी

इस्तांबुल । तुर्की ने सोशल मीडिया पर उन पोस्ट्स पर कार्रवाई की जिनमें दो दिनों में दो स्कूल शूटिंग की तारीफ की गई थी, दो ऐसी घटनाएं जिसने देश में उथल पुथल मचा दी थी। पीड़ितों के अंतिम संस्कार से पहले कई लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया, इनमें ज्यादातर बच्चे हैं। अधिकारियों ने कहा कि हमलों की तारीफ के बाद 95 लोगों को हिरासत में लिया गया, सैकड़ों अकाउंट ब्लॉक किए गए और ग्रुप बंद कर दिए गए। पिछले दो दिनों में तुर्की में घटी दो वारदातों ने पूरी दुनिया को झकझोर के रख दिया। महज 24 घंटों के भीतर दो किशोरों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। मंगलवार की फायरिंग में 16 लोग घायल हुए, और बुधवार की शूटिंग में नौ लोग मारे गए जबकि 13 घायल हुए। सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू एजेंसी (एए) ने न्याय मंत्री गुरलेक के हवाले से कहा, 'जनता के बीच भय, चिंता और दहशत पैदा करने वाली सामग्री फैलाने के आरोप में 95 लोगों को हिरासत में लिया गया है और 1104 सोशल मीडिया खातों का एक्सेस ब्लॉक कर दिया गया है। 'मरने वालों में आठ बच्चे थे जिनकी उम्र 10-11 साल थी। हमले में 55 साल के टीचर भी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मामलों के संदिग्ध भी मारे गए।

लेबनान के अस्पतालों की सुरक्षा बढ़ाना जरूरी; हमलों में 88 की मौत : डब्ल्यूएचओ प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महासचिव टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने लेबनान में स्वास्थ्य कर्मियों और अस्पतालों की हमलों की वजह से हुई दुर्दशा पर चिंता जाहिर की है। आंकड़ों के हवाले से उन्होंने माना कि यह दर्दनाक है, और अपील की कि जो लोगों की सेवा में लगे हैं, उनकी सुरक्षा का ख्याल रखा जाए। टेड्रोस ने लेबनानी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि अस्पतालों, स्वास्थ्यकर्मियों, एंबुलेंस और मरीजों को तत्काल सुरक्षा दी जानी चाहिए। एक्स पर डब्ल्यूएचओ का बयान जारी किया गया। इसमें बताया गया कि टेबनाइन गवर्नमेंट हॉस्पिटल, जो दक्षिण के व्यस्ततम ट्रॉमा अस्पतालों में से एक है, पर 12 और 14 अप्रैल को लगातार दो स्ट्राइक की गई।हमले में 11 कर्मी घायल हो गए और आपातकालीन विभाग, जिसमें वेंटिलेटर, मॉनिटर, स्ट्रेचर और ट्रॉली जैसे जरूरी स्वास्थ्य सेवा से संबंधित सामान शामिल थे, तबाह हो गए। फार्मेसी और आउट-पेशेंट क्लीनिक को भी नुकसान पहुंचा।स्टेटमेंट के अनुसार, 2 मार्च से अब तक स्वास्थ्य केंद्रों पर 133 हमले दर्ज किए गए, जिनमें 88 की मौत हो गई, जबकि 206 घायल हो गए। इस दौरान 15 अस्पताल और 7 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुए, जबकि 5 अस्पताल और 56 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंद हो गए।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय ब्रह्मचारी को एक और मामले में मिली जमानत

ढाका। बांग्लादेश में चट्टोग्राम (पुराना नाम चटगांव) की एक अदालत ने प्रख्यात हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को एक मामले में जमानत प्रदान कर दी। चिन्मय ब्रह्मचारी नवंबर 2024 से सलाखों के पीछे हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शखावत हुसैन ने जमानत आदेश जारी किया। हिंदू संत के खिलाफ अनेक मामले दर्ज हैं। इसलिए अभी उन्हें न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा। उन्हें चट्टोग्राम जेल में रखा गया है। इससे पहले उन्हें ढाका उच्च न्यायालय से बहुचर्चित देशद्रोह मामले में जमानत प्राप्त हो चुकी है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जिस मामले में हिंदू संत को जमानत प्रदान की गई है, उसे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नेता और पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन ने 2023 में दायर किया था। उन्होंने अपनी शिकायत में ब्रह्मचारी पर हाथजारी उपजिला के मेखला इलाके में जमीन पर कब्जा करने, धमकाने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास और पांच अन्य लोगों को आरोपी बनाया था। ब्रह्मचारी के खिलाफ वकील सैफ़ुल इस्लाम अलीफ की हत्या का मामला भी चल रहा है। उनपर कम से कम छह अन्य मामले भी विचाराधीन हैं। अदालत ने सात अप्रैल को बीएनपी नेता नासिर उद्दीन के मामले में हिंदू संत को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने याचिका को मंजूरी दी थी।

ईरान में 48 दिन बाद गूगल सर्च बहाल, जीमेल अब भी बंद

तेहरान। ईरान में करीब 48 दिनों तक चले इंटरनेट प्रतिबंधों के बाद आंशिक राहत मिली है। देश में अब गूगल सर्च सेवा बहाल कर दी गई है, जिससे आम नागरिक फिक्स्ड लाइन और मोबाइल इंटरनेट के जरिए सर्च इंजन का उपयोग कर पा रहे हैं। हालांकि, इंटरनेट कनेक्टिविटी अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो सकी है और कई जगहों पर उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जहां एक ओर गूगल सर्च की वापसी हुई है, वहीं जीमेल समेत कई अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं अब भी बंद हैं। इससे स्पष्ट है कि देश में इंटरनेट सेवाएं अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई हैं और डिजिटल गतिविधियों पर आंशिक प्रतिबंध जारी है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और सैन्य संघर्ष के बाद ईरानी सरकार ने देश में इंटरनेट पर सख्त पाबंदियां लगा दी थीं। इस दौरान आम नागरिकों के लिए इंटरनेट एक्सेस लगभग बंद कर दिया गया था। केवल कुछ सीमित यूजर्स–जैसे सरकारी नेटवर्क से जुड़े लोग या वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल करने वाले–ही इंटरनेट का उपयोग कर पा रहे थे।

सीजफायर के दौरान इजरायल दक्षिणी लेबनान में 10 किमी का सुरक्षा जोन बनाए रखेगा : नेतन्याहू

एजेंसी

यरूशलम । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ युद्धविराम लागू होने के बाद भी इजरायल दक्षिणी लेबनान में 10 किलोमीटर का सुरक्षा क्षेत्र बनाए रखेगा। उनका यह बयान उस समय आया जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा की। यह समझौता नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के बीच हुआ है और इसे अमेरिकी पूर्वी समय के अनुसार शाम 5 बजे से लागू किया जाना है। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने हिजबुल्लाह की उस मांग को ठुकरा दिया, जिसमें इजरायली सेना को अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पीछे हटने के लिए कहा गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायली सेना लेबनान के अंदर बनाए गए इस सुरक्षा क्षेत्र में ही तैनात रहेगी।

उनका कहना है कि यह सुरक्षा क्षेत्र उत्तरी इजरायल के इलाकों को हमलों और टैंक रोधी हथियारों से बचाने में मदद करेगा।

नेतन्याहू ने यह भी कहा कि लेबनान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौता करने का मौका है। उन्होंने बताया कि ट्रंप इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उन्हें और लेबनान के राष्ट्रपति को बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं।

नेतन्याहू के अनुसार, यह मौका इसलिए बना है क्योंकि इजरायल ने लेबनान में ताकत का

संतुलन अपने पक्ष में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले एक महीने में लेबनान की ओर से सीधे शांति वार्ता के संकेत मिले हैं।

उन्होंने बताया कि इन बातचीतों में इजरायल की दो मुख्य शर्तें होंगी- पहली, हिजबुल्लाह को पूरी तरह हथियार छोड़ने होंगे, और दूसरी, एक स्थायी शांति समझौता होना चाहिए।

ईरान के मुद्दे पर नेतन्याहू ने दावा किया कि ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिया है कि वे समुद्री नाकेबंदी जारी रखेंगे और ईरान की बची हुई परमाणु क्षमता को खत्म करने के लिए दृढ़ हैं। नेतन्याहू ने इन कदमों को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इससे आने वाले वर्षों में सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति में बड़ा बदलाव आ सकता है।

इस बीच, ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य तनाव को कुछ समय के लिए कम करना है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू और जोसेफ आउन से बातचीत के बाद दोनों पक्ष 10 दिन के युद्धविराम पर सहमत हुए हैं, जो वाशिंगटन समय के अनुसार शाम 5 बजे से शुरू होगा।

यह युद्धविराम उस संघर्ष को रोकने की कोशिश है, जो तब बढ़ गया था जब इजरायल ने ईरान से जुड़े हिजबुल्लाह के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया था। हालांकि लेबनान और इजरायल के बीच औपचारिक युद्ध नहीं है, लेकिन हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखता है और उसने इज़राइल पर कई हमले किए हैं, जिसके जवाब में इजराइल ने भी कार्रवाई की है।

'कुछ तानाशाह सैन्य या राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का दुरुपयोग करते हैं', पोप लियो

एजेंसी

कैमरून। कैमरून पहुंचे पोप लियो चौदहवें ने तानाशाही को दुनिया के लिए खतरनाक करार दिया। पोप लियो XIV ने कैमरून के शहर बामेंडा में ये बयान दिया। पोप लियो ने उम्मीद इच्छा जताई कि दुनिया में शांति का वास हो। साथ ही, उन्होंने उन लोगों को धिक्कारा जो 'अपने सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक फायदे के लिए धर्म और ईश्वर के नाम का गलत इस्तेमाल करते हैं, और जो पवित्र है उसे अंधेरे और गंदगी में धकेलते हैं।' वेटिकन न्यूज के अनुसार, पोप लियो ने कहा कि जंग को बढ़ावा देने वाले यह मानने से ही इनकार कर देते हैं कि तबाही में एक पल लगता है, लेकिन उसे दोबारा बनाने में पूरी जिंदगी भी कम पड़ जाती है। कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु ने कहा, 'कुछ तानाशाह' यह मानने से इनकार करते हैं कि 'तबाही करने में बस एक पल लगता है, लेकिन सब कुछ दोबारा बनाने के लिए पूरी जिंदगी काफी नहीं होती।' पोप ने दुख जताया कि कैसे सत्ता में बैठे लोग हत्या और तबाही पर अरबों डॉलर खर्च कर देते हैं, 'फिर भी इलाज, शिक्षा और बहाली के लिए जरूरी रिसोर्स कहीं नहीं मिलते। 'उन्होंने आगे कहा कि लोग अफ्रीका के संसाधन का उपयोग हथियार खरीदने के लिए करते हैं, 'अस्थिरता और मौत के कभी न खत्म होने वाले चक्र को जारी रखते हैं। ' पोप ये बातें कैमरून के जातीय संघर्ष को लेकर कर रहे थे। लेकिन इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु पर टिप्पणियां भी चर्चा में रही हैं।

हालिया विवाद की नींव ईस्टर के आसपास पड़ी, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर अपनी धमकियां देनी शुरू कर दीं। जवाब में पोप लियो ने अपने 'पाम संडे' संदेश में कहा कि ईश्वर उन लोगों की प्रार्थनाओं को खारिज कर देता है जो युद्ध छेड़ते हैं। पोप की टिप्पणियों को ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने खुलकर पोप की आलोचना शुरू की। रविवार को ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोप को कमजोर बताया।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इजरायल-लेबनान सीजफायर का किया स्वागत

एजेंसी

बेरूत। इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आखिरकार राहत की खबर सामने आई है। शुक्रवार को दोनों देशों के बीच 10 दिनों का युद्धविराम लागू हो गया। इस सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही कर दी थी। इस कदम का उद्देश्य पिछले एक महीने से जारी हिंसक संघर्ष को रोकना है, जिसमें 2,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। जैसे ही युद्धविराम लागू हुआ, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसका स्वागत किया और सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हम उन सभी कदमों का स्वागत करते हैं जो 'ब्लू लाइन' के दोनों ओर हिंसा और पीड़ा को समाप्त करने में मदद करें। उन्होंने संबंधित पक्षों से इस युद्धविराम का पूरी तरह पालन करने की अपील भी की। गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'मैं इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष-विराम की घोषणा का स्वागत करता हूं और इसे संभव बनाने में अमेरिका की भूमिका की सराहना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे इस संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में बातचीत का रास्ता खुलेगा और इस क्षेत्र में स्थायी और व्यापक शांति की दिशा में चल रहे प्रयासों में मदद मिलेगी। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे संघर्ष-विराम का पूरी तरह सम्मान करें और हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें। ' वहीं, अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-गीत ने इस समझौते को लेबनान के लोगों की पीड़ा कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने सभी पक्षों से तुरंत इसका पालन करने और स्थायी शांति के लिए गंभीर बातचीत शुरू करने का आग्रह किया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने भी इस युद्धविराम का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह समझौता पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम समझौते का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युद्ध को रोकना है। मिस्र ने इसे क्षेत्रीय तनाव कम करने और इजरायली हमलों को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इस युद्धविराम को स्थायी बनाने, मानवीय सहायता पहुंचाने और विस्थापित लोगों की घर वापसी सुनिश्चित करने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने भी इस पहल का समर्थन किया और उम्मीद जताई कि यह क्षेत्र में स्थिरता और स्थायी शांति की दिशा में एक मजबूत आधार बनेगा।

गिदोन सार ने 'हिंदी लीडर्स' से की बात, इजरायल-भारत संबंधों को बताया 'बहुत अहम'

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने दुनिया भर में बसे भारतीय संस्कृति से जुड़े एक समूह के साथ ऑनलाइन बैठक की। इस गहन विमर्श को उन्होंने भारत और इजरायल के मजबूत होते रिश्ते से जोड़ा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने इस बैठक का ब्योरा दिया। बताया कि इस चर्चा में एक उच्चस्तरीय संवाद में सकारात्मक रुझानों पर जोर दिया गया। विश्व भर के 'हिंदी लीडर्स' समूह को संबोधित करते हुए सार ने कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक, सुरक्षा और तकनीकी सहयोग तेजी से नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इस दौरान भारत-इजरायल संबंधों को 'अत्यंत अहम' बताते हुए कहा गया कि यह साझेदारी केवल कूटनीतिक दायरे तक सीमित नहीं है, बल्कि रक्षा, कृषि, साइबर सुरक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भी गहराई से विस्तारित हो चुकी है। सार ने इस सहयोग को भविष्य की वैश्विक स्थिरता के लिए

भी महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम में पिछले ढाई वर्षों से इजरायल द्वारा 'रेडिकल इस्लाम' के खिलाफ चलाए गए अभियान का भी उल्लेख किया गया। इजरायली विदेश मंत्री ने कहा कि इस संघर्ष में इजरायल ने विभिन्न मोर्चों पर अपनी रणनीतिक बढ़त साबित की है और उसने क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी नेटवर्क को काफी हद तक कमजोर किया है। इस संदर्भ में ईरान के नेतृत्व में सक्रिय तत्वों का भी जिक्र किया गया, जिन पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया।

वक्ता के अनुसार, इस संघर्ष का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी वैश्विक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ एकजुट रुख अपनाए। इस अवसर पर भारत द्वारा हमास को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के महत्व को भी रेखांकित किया गया। सार ने दावा किया कि लश्कर-ए-तैयबा समेत अन्य उग्रवादी संगठनों से भी हमास के संबंध रहे हैं।

ट्रंप ने ईरान डील और सीजफायर पर आगे बढ़ने के संकेत दिए

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान अब समझौता होने के काफी करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि परमाणु समझौते पर प्रगति हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो संघर्ष विराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाया जा सकता है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'ईरान समझौता करना चाहता है और हम उनसे बहुत अच्छे तरीके से बातचीत कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि ईरान अब वे कदम उठाने को तैयार है, जिनके लिए वह दो महीने पहले तैयार नहीं था। उन्होंने साफ किया कि मुख्य उद्देश्य वही है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर ईरान के पास परमाणु हथियार हुआ तो दुनिया के लिए बड़ा खतरा होगा।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी समझौते में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सके।

ट्रंप ने कहा कि बातचीत तेजी से आगे बढ़ सकती है और अगली आमने-सामने की बैठक शायद वीकेंड में हो सकती है। सीजफायर को लेकर उन्होंने कहा कि इसे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर हम समझौते के

करीब होंगे तो मैं इसे बढ़ा सकता हूं, लेकिन हम पहले ही काफी करीब हैं। ' साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो फिर से लड़ाई शुरू हो सकती है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सैन्य और आर्थिक दबाव के कारण ही ईरान बातचीत की मेज पर आया है। उन्होंने प्रतिबंधों को बहुत प्रभावी बताया और कहा कि इनके कारण ईरान कोई खास व्यापार नहीं कर पा रहा है और उसकी ताकत भी काफी कम हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार और तेल की कीमतों पर इसका अच्छा असर दिख रहा है। उन्होंने कहा, 'शेयर बाजार अच्छा चल रहा है। तेल की कीमतें नीचे आ रही हैं... ऐसा लग रहा है कि हम ईरान के साथ एक डील करने जा रहे हैं। ' मध्य पूर्व के बारे में ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच चल रही अलग बातचीत को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते के लिए संघर्ष विराम का एक अच्छा प्रस्ताव बन रहा है, जिसमें हिजबुल्लाह भी शामिल हो सकता है। ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी हाल की बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरी उनसे बहुत अच्छी बात हुई, वे अच्छा काम कर रहे हैं।' उन्होंने इस बातचीत को सकारात्मक बताया। यूक्रेन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि वहां हालात बदल रहे हैं, लेकिन फिलहाल उनका ज्यादा ध्यान ईरान पर है। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन में बहुत लोग मर रहे हैं, लेकिन अभी हमारा मुख्य ध्यान ईरान पर है। '

ट्रंप ने ईरान पर अपने रुख को लेकर पोप की आलोचना को खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि उन्हें असहमत होने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा, 'पोप जो चाहें कह सकते हैं... लेकिन मैं उनसे असहमत हो सकता हूं।' उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि ईरान को परमाणु क्षमता हासिल करने देना वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर देगा।

चीन की ईरान से अपील, 'होर्मुज स्ट्रेट को खोलें, ये सबके लिए जरूरी'

एजेंसी

तेहरान। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आवागमन फिर से शुरू करने की सिफारिश की है। यह कदम ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। चीनी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यी और अराघची के बीच हुई बातचीत का ब्योरा दिया। बताया कि चीन ने स्पष्ट किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की रुकावट न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है, जिससे इसकी रणनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है। बीजिंग ने तेहरान से संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग को बाधित न करने का आग्रह किया है। साथ ही, चीन ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा संकट का समाधान सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए ही संभव है। चीनी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, वांग ने कहा, 'मौजूदा स्थिति संघर्ष और शांति के बीच बदलाव के एक अहम पड़ाव पर पहुंच गई है, और शांति का रास्ता खुल रहा है। ' वांग यी ने कहा कि एक तरफ होर्मुज में ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ इस रास्ते से जहाजों के सुरक्षित और स्वतंत्र आवागमन की भी गारंटी जरूरी है।उन्होंने भरोसा दिलाया कि चीन संघर्ष विराम बनाए रखने और बातचीत फिर से शुरू करने का समर्थन करता है। चीनी बयान के मुताबिक, अराघची ने इस कॉल में कहा कि तेहरान को उम्मीद है कि बीजिंग शांति को बढ़ावा देने और लड़ाई खत्म करने में एक्टिव रोल निभाएगा, और ईरान शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए एक सही और असल हल ढूंढना जारी रखने को तैयार है।

तेल रिफाइनरी में लगी आग का ऑस्ट्रेलियाई ईंधन सप्लाई पर बहुत कम असर होगा: पीएम अल्बानीज

एजेंसी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के दो तेल रिफाइनरी में आग लगने की घटना सामने आई। इस मामले में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया की दो तेल रिफाइनरियों में से एक में लगी भीषण आग का फ्यूल प्रोडक्शन पर बहुत कम असर पड़ेगा। पीएम अल्बानीज शुक्रवार को ब्रुनेई और मलेशिया के आधिकारिक दौरे से जल्दी लौट आए। उन्होंने मेलबर्न के दक्षिण-पश्चिम में वीवा एनर्जी की रिफाइनरी में हुए नुकसान का मुआयना किया। बुधवार रात इक्विपमेंट फेल होने से आग लग गई थी, जिसे गुरुवार दोपहर के आसपास बुझा दी गई। रिफाइनरी में मीडिया से बात करते हुए पीएम अल्बानीज ने कहा कि मिडिल ईस्ट में लड़ाई की वजह से तेल सप्लाई में आए संकट के बीच आग लगने का समय अफसोस की बात थी, लेकिन इसका प्रोडक्शन पर बहुत कम असर पड़ेगा।

फ्यूल सिक्योरिटी पर बातचीत के लिए ब्रुनेई और मलेशिया में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हमें जो सलाह मिली है, वह यह है कि 80 फीसदी डीजल प्रोडक्शन जारी है, 80 फीसदी एविएशन फ्यूल का प्रोडक्शन जारी है। ' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस फैसिलिटी में पेट्रोल प्रोडक्शन, जो ऑस्ट्रेलिया की नेशनल फ्यूल सप्लाई का 10 फीसदी देता है, शुक्रवार को 60 फीसदी कैपेसिटी पर था और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह बढ़ सकता है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार शनिवार को फ्यूल स्टॉकपाइल लेवल पर अपना रेगुलर साप्ताहिक अपडेट देगी। अधिकारियों ने कहा कि इक्विपमेंट में खराबी की वजह से एक ऑस्ट्रेलियाई तेल रिफाइनरी में बड़ी आग लग गई, जिससे नेशनल फ्यूल सप्लाई पर असर पड़ने की उम्मीद है।

मेलबर्न से 65 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में जिलॉन्ग शहर में वीवा एनर्जी की रिफाइनरी में बुधवार को लोकल टाइम के हिसाब से रात करीब 11 बजे आग लगी और गुरुवार सुबह भी जलती रही। यह जगह ऑस्ट्रेलिया की सिर्फ दो चालू रिफाइनरियों में से एक है और देश की फ्यूल सप्लाई का लगभग 10 फीसदी बनाती है। विक्टोरिया राज्य में फायर और रेस्क्यू सर्विस की डिप्टी कमिश्नर मिशेल काउलिंग ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) रेडियो को बताया कि रिफाइनरी में इक्विपमेंट में खराबी की वजह से आग लगी।

अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ाया, 26 लोगों के वीजा पर लगाई रोक

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ा दिया है। अमेरिकी राज्य डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि वह पश्चिमी क्षेत्र में अपनी वीजा प्रतिबंध नीति को बढ़ा रहा है और 26 लोगों पर रोक लगाई है। राज्य विभाग ने एक बयान में कहा कि यह नीति उन लोगों को टारगेट करती है जो अमेरिका के दुश्मनों की तरफ से अमेरिकी हितों को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं। राज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी साफ करती है: यह सरकार दुश्मन ताकतों को जरूरी संपत्तियों पर मालिकाना हक या कंट्रोल करने या हमारे इलाके में अमेरिकी सुरक्षा और खुशहाली को खतरा पहुंचाने की काबिलियत से दूर रखेगा। राज्य विभाग देश में अमेरिकी लीडरशिप को आगे बढ़ाने, हमारे देश की रक्षा करने और हमारे पूरे इलाके में जरूरी रास्तों और इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।' अमेरिकी राज्य विभाग ने मौजूदा वीजा प्रतिबंध नीति में एक बड़े बदलाव का ऐलान किया। राज्य विभाग ने कहा, 'यह बढ़ी हुई नीति हमें अपने इलाके के उन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिकी वीजा पर रोक लगाने में मदद करती है, जो पश्चिमी गोलार्ध के देशों में रहते हुए और जानबूझकर दुश्मन देशों, उनके एजेंटों या कंपनियों की तरफ से काम करते हुए, ऐसी गतिविधियों में शामिल होते हैं, मंजूरी देते हैं, उनकी फंडिंग करते हैं, उन्हें बड़ा समर्थन देते हैं, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं और उन्हें कमजोर करती हैं। ये लोग और उनके करीबी परिवार के सदस्य आम तौर पर अमेरिका में एंट्री के योग्य नहीं होंगे। '

अमेरिकी राज्य विभाग ने बताया कि इन गतिविधियों में जरूरी संपत्ति और रणनीतिक संसाधन हासिल करने या कंट्रोल करने में दुश्मन ताकतों की मदद करना; क्षेत्रीय सुरक्षा की कोशिशों को अस्थिर करना; अमेरिकी आर्थिक हितों को कमजोर करना और हमारे इलाके के देशों की संप्रभुता और स्थिरता को कमजोर करने के लिए डिजाइन किए गए प्रभावी ऑपरेशन चलाना शामिल हैं।

अमेरिकी राज्य विभाग ने 26 लोगों के वीजा पर प्रतिबंध लगाए हैं और कहा, 'हमने देश में 26 ऐसे लोगों पर वीजा बैन लगाए हैं जो इन गतिविधियों में शामिल रहे हैं। ट्रंप सरकार देश की सेफ्टी और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए हर मौजूद टूल का इस्तेमाल करेगा। '

बलूचिस्तान में खदान में हुए हादसे, पांच कोयला खनिकों की मौत

एजेंसी

क्वेटा । पाकिस्तान के बलूचिस्तान के बोलान और डुकी कोलफील्ड इलाकों में दो अलग-अलग माइनिंग हादसों में पांच कोयला खनिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि माच इलाके के पास बोलन कोयला माइनिंग फील्ड में एक कोयला खदान में मीथेन गैस जमा होने के कारण तीन खनिकों की मौत हो गई। पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने बताया कि दूसरे खनिक प्रभावित खदान से भागने में कामयाब रहे और अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की रेस्क्यू टीमों और लोकल वर्कर्स ने फंसे हुए खनिकों को बचाने के लिए ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि, खनिकों की मौत मीथेन गैस के कारण दम घुटने से हुई थी। खदान में श्रमिकों का शव मिला और उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल के अधिकारियों ने कहा, 'हमें तीन कोयला खनिकों की बॉडी मिलीं, जिनकी मौत जहरीली मीथेन गैस के कारण हुई थी। ' जिस कोयला खदान में यह घटना घटी, उसे बंद कर दिया गया है और जांच के आदेश दे दिए गए हैं। एक अलग घटना में, डुकी कोयला माइनिंग एरिया में हुए एक हादसे में दो कोयला खनिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि कोयला ले जा रही एक ट्रॉली की चपेट में आने से तीन कोयला खनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां दो खनिकों की चोटों के कारण मौत हो गई। घायल खनिक का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट में हमलों पर भारत ने जताई चिंता; सुरक्षा परिषद में रूस-चीन के वीटो पर बरकरार रखा तटस्थ रुख

एजेंसी

वॉशिंगटन । भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग पर हमलों पर चिंता जताई है। वहीं दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के विरुद्ध लाए गए प्रस्ताव पर रूस और चीन द्वारा वीटो करने के मामले में भारत ने किसी भी पक्ष का समर्थन नहीं किया और तटस्थ रहने का फैसला किया है। जनरल असेंबली की मीटिंग में वीटो पर बोलते हुए भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने इस मुद्दे पर कहा, 'हमने सभी देशों से बातचीत और डिप्लोमेसी को बढ़ावा देने और तनाव कम करने और असल मुद्दों को सुलझाने की अपील की है।' उन्होंने कहा, 'हमने सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की भी अपील की है। '

यह मीटिंग असेंबली के एक प्रोसेस के तहत बुलाई गई थी, जिसके तहत जो स्थायी सदस्य किसी प्रस्ताव पर वीटो करते हैं, उन्हें दस दिनों के अंदर अपने कामों के बारे में बताने के लिए उसके सामने पेश होना होता है। 7 अप्रैल को रूस और चीन ने काउंसिल के चुने हुए सदस्य बहरीन के पेश किए गए प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया। इस प्रस्ताव में ईरान से कमर्शियल शिपिंग पर हमले रोकने और नेविगेशन की आजादी में रुकावट न डालने की मांग की गई थी।

रूस और चीन ने असेंबली में अपने वीटो का बचाव किया, जबकि अमेरिका, इजरायल और खाड़ी देशों ने कई दूसरे देशों के साथ मिलकर वीटो की आलोचना की। अपने छोटे, 90-सेकंड, 198-शब्दों के बयान में, हरीश दोनों पक्षों से दूर रहे, लेकिन स्ट्रेट में नेविगेशन की आजादी पर भारत की स्थिति साफ कर दी।

उन्होंने कहा, 'भारत के लिए अपनी एनर्जी और आर्थिक सुरक्षा के लिए खास चिंता की बात होर्मुज स्ट्रेट से कमर्शियल शिपिंग है।' यह स्ट्रेट दुनिया भर के तेल ट्रैफिक के 20 फीसदी के लिए चोकपॉइंट है और इसके रुकने से भारत पर असर पड़ा है। उन्होंने आगे कहा, 'भारत इस बात पर दुख जताता है कि इस लड़ाई में कमर्शियल शिपिंग को सैन्य हमलों का निशाना बनाया गया। इस लड़ाई के दौरान जहाजों पर सवार भारतीय नाविकों की कीमती जानें गईं। ' उन्होंने कहा, 'हम फिर से कहते हैं कि कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाना और बेकसूर सिविलियन क्रू मेंबर्स को खतरे में डालना या होर्मुज स्ट्रेट में नेविगेशन और कॉमर्स की आजादी में रुकावट डालना मंजूर नहीं है। इस बारे में अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए। ' 28 फरवरी को इजरायल-अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने स्ट्रेट में जहाजों पर हमला किया, वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ईरानी पोर्ट्स पर नेवल ब्लॉकेड लगा दिया। भारत ने वीटो को लेकर भले ही तटस्थ रुख अपनाया हो, लेकिन उसने 11 मार्च को बहरीन द्वारा पेश किए गए उस प्रस्ताव का सह-प्रायोजक बनने का फैसला किया था, जिसमें ईरान के मध्य पूर्व के पड़ोसी देशों पर हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की गई थी। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 13-0 मतों से पारित किया गया, जबकि रूस और चीन ने मतदान में हिस्सा नहीं लेते हुए इसे बिना वीटो के पास होने दिया। पिछले हफ्ते प्रस्ताव पर वीटो को लेकर रूस की उपस्थायी प्रतिनिधि एना एम इवेस्टिग्नीवा ने कहा कि यह एकतरफा था और इसने इजरायल और अमेरिका की उन कार्रवाइयों को अनदेखा कर दिया जिनकी वजह से लड़ाई शुरू हुई।

उन्होंने कहा कि इससे लड़ाई जारी रखने और उसे बढ़ाने के लिए बिना शर्त मंजूरी मिल जाती है। चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने कहा कि बीजिंग बहरीन और खाड़ी देशों की बड़ी चिंताओं को समझता है, लेकिन उसने प्रस्ताव पर वीटो इसलिए किया क्योंकि इससे अनऑथराइज्ड सैन्य ऑपरेशन को सही साबित करने का दिखावा होता।

page 1 and 8 Apr 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/18/2026 1:06 AM Page 2

स्थानीय समाचार

रियासी जिले में 20 अधिकारियों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट किया नियुक्त

जम्मू, 17 अप्रैल(हि.स.)। सरकार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 14(1) के तहत रियासी जिले में 20 अधिकारियों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, नियुक्त अधिकारी जिले में अपने संबंधित क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर कार्यकारी मजिस्ट्रेट की सभी शक्तियों का प्रयोग करेंगे। इस कदम का उद्देश्य रियासी शहर और स्थानीय गाइड में प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था तंत्र को मजबूत करना है

डीवाईएसएसओ श्रीनगर ने नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत साइक्लोथॉन का आयोजन किया

श्रीनगर, 17 अप्रैल। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी (डीवाईएसएसओ) श्रीनगर घ हसन लोन ने एसकेआईसीसी से साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस कार्यक्रम में 300 से अधिक छात्रों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो नशे के खिलाफ सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर घ हसन लोन ने कहा कि नशा मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया और प्रतिभागियों से इस संदेश को फैलाने का आह्वान किया।

यह साइक्लोथॉन निशात गार्डन, श्रीनगर में समाप्त हुआ, जहां प्रतिभागी छात्रों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन एक स्वस्थ और नशामुक्त समाज बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

डीएलएसए बडगाम ने एलएडीसी के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की

बडगाम, 17 अप्रैल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) बडगाम ने आज अपने कार्यालय में सभी लीगल एड डिफेंस काउंसल (एलएडीसी) के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता डीएलएसए बडगाम की सचिव तबस्सुम कादिर पर्रे ने की, जिसका उद्देश्य काउंसलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और सेवा मानकों के पालन को सुनिश्चित करना था।

बैठक में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल लतीफ अहमद खान, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसल नजीर अहमद वागे और सहायक काउंसल उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान काउंसलों ने अपने अनुभव साझा किए, चुनौतियों को बताया और सेवाओं में सुधार के लिए सुझाव दिए। मुख्य मुद्दों में गुणवत्तापूर्ण कानूनी प्रतिनिधित्व, लंबित मामलों के शीघ्र निपटान और बेहतर समन्वय शामिल थे।

एलएसएमएस पोर्टल के प्रभावी उपयोग के लिए भी निर्देश दिए गए, जिसमें शून्य लंबित मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

सचिव डीएलएसए ने कहा कि जरूरतमंद और वंचित वर्गों को मुफ्त और प्रभावी कानूनी सहायता प्रदान करना प्राथमिकता है बैठक का समापन कानूनी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने और शून्य लंबित मामलों का लक्ष्य हासिल करने के संकल्प के साथ हुआ।

संघ लोक सेवा आयोग ने मार्च 2026 के लिए भर्ती परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली 17 अप्रैल। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मार्च 2026 के दौरान निम्नलिखित भर्ती परिणाम अंतिम रूप से घोषित कर दिए गए हैं। अनुशंसित उम्मीदवारों को डाक द्वारा व्यक्तिगत रूप से सूचित कर दिया गया है।

अन्य उम्मीदवारों के आवेदनों पर विधिवत विचार किया गया लेकिन खेद है कि उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाना/पद के लिए अनुशंसित करना संभव नहीं हो सका।

एलजी विनय कुमार सक्सेना ने प्रोजेक्ट हिम सरोवर के तहत पहले जलाशय का उद्घाटन किया

लेह, 17 अप्रैल। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज प्रोजेक्ट हिम सरोवर के तहत पहले जलाशय का उद्घाटन किया। उन्होंने ग्लेशियर के पिघले पानी को इसमें छोड़कर इसे चालू भी किया। यह उपलब्धि प्रोजेक्ट हिम सरोवर के शुभारंभ के केवल एक सप्ताह बाद हासिल हुई है, जिसका उद्देश्य लद्दाख में छोटे जलाशयों का निर्माण कर बर्फ के पिघले पानी का संरक्षण करना और दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस परियोजना की शुरुआत 10 अप्रैल को की गई थी। स्टोक गांव के दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने गांव को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने के लिए गोद लेने की घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि स्टोक और लिकिर को लद्दाख में समग्र और सतत ग्रामीण विकास के मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह जलाशय गांव में मौजूद एक गाद से भरे गड्ढे को पुनर्जीवित कर बनाया गया है। 26 मार्च को अपने पहले दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने इसे साफ करने, खुदाई करने और गाद हटाने के निर्देश दिए थे। प्रशासन ने स्थानीय लोगों के सहयोग से इसके किनारों को पत्थरों से मजबूत किया ताकि पानी का रिसाव रोका जा सके। करीब 1,824 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला यह जलाशय लगभग 35 लाख लीटर पानी संग्रहित कर सकेगा, जिससे लगभग 150 हेक्टेयर भूमि को लाभ मिलेगा। सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने तीन सप्ताह के भीतर इस योजना के सफल क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि स्टोक गांव प्रोजेक्ट हिम सरोवर के क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जो लद्दाख में जल संकट से निपटने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के पहले चरण में 50 जलाशयों का निर्माण प्रस्तावित है, जिनमें 30 लेह और 20 कारगिल में होंगे, जिससे लद्दाख के लगभग 25 प्रतिशत गांवों को कवर किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक वर्ष के भीतर लगभग 50 प्रतिशत गांव इस परियोजना के दायरे में आ जाएंगे।

जल प्रबंधन के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और जल संकट से निपटने के लिए नवाचार और टिकाऊ समाधान आवश्यक हैं। उन्होंने इस परियोजना को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सुरक्षा कवच बताया।

स्टोक गांव को गोद लेने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि वह अब स्वयं को इस गांव का सदस्य मानते हैं और इसके सतत एवं समावेशी विकास के लिए पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से स्टोक को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है।

उपराज्यपाल ने स्टोक में सड़कों के ब्लॉक पक्का करने के कार्य का भी शुभारंभ किया और कहा कि इससे गांव की सुंदरता बढ़ेगी और पर्यटकों को स्वच्छ व धूल रहित वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्टोक आने वाले पर्यटकों को लद्दाखी आतिथ्य का यादगार अनुभव मिलना चाहिए। उन्होंने मॉडल गांव के विकास के लिए जैविक खेती को बढ़ावा देने, सौर ऊर्जा के उपयोग और पर्यटन ढांचे को मजबूत करने जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने की बात कही।

रामकृष्ण मिशन ने नि:शुल्क न्यूरोलॉजी मेडिकल कैंप आयोजित किया

जम्मू, 17 अप्रैल। रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर जम्मू ने उदयवाला, जम्मू स्थित मिशन अस्पताल में एक दिवसीय नि:शुल्क न्यूरोलॉजी मेडिकल कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कैंप में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील राजदान, फिजिशियन डॉ. के.के. पंडिता और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी राजदान शामिल थे। इस स्वास्थ्य कैंप में नि:शुल्क चिकित्सा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई गई, जिसमें न्यूरोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ, डेंटल सर्जन, एलोपैथी फिजिशियन और फिजियोथेरेपिस्ट के साथ परामर्श शामिल था। इस कैंप में 11 डॉक्टरों की विशेषज्ञता से कुल 112 मरीजों को लाभ मिला। 52 मरीजों को ECG, X-ray, डेंटल, फिजियोथेरेपी, अल्ट्रासाउंड, पैथोलॉजी आदि सहित विभिन्न सेवाओं का लाभ मिला। 65 पैरामीटर (मापदंडों) को कवर करने वाला एक ;फुल बॉडी चेक-अप×#39; (संपूर्ण शरीर की जांच)—जिसमें CBC, LFT, KFT, लिपिड प्रोफाइल, क्र्स्स्र, यूरिन टेस्ट और थायराइड फंक्शन टेस्ट (Tx, Ty, TSH) शामिल थे—मात्र 1200 रुपये के नाममात्र शुल्क पर उपलब्ध था; यह इसकी सामान्य कीमत 2300 रुपये पर दी गई एक बड़ी छूट थी। यह कैंप समुदाय की सेवा करने और सभी को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के प्रति रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर की निरंतर प्रतिबद्धता का एक हिस्सा था। रामकृष्ण मिशन, जम्मू के सचिव स्वामी यज्ञधरानंद जी ने श्री रामकृष्ण देव, माँ शारदा और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, और मानवता की सेवा को ईश्वर की आराधना का ही एक रूप बताया। उन्होंने हर महीने ऐसे नि:शुल्क कैंप आयोजित करने की योजनाओं की भी घोषणा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सभी से रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित आध्यात्मिक गतिविधियों से लाभ उठाने का आग्रह किया। अन्य जानकारी के लिए संगठन से 9596984032 पर संपर्क किया जा सकता है। रामकृष्ण मिशन, जम्मू श्री रामकृष्ण देव, माँ शारदा देवी और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का पालन करते हुए सांस्कृतिक, शैक्षिक और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की, जन समस्याओं के समयबद्ध समाधान का भरोसा दिया

जम्मू, 17 अप्रैल। कई विधायकों, प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों ने आज मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात कर अपनी-अपनी समस्याएं और मुद्दे उनके समक्ष रखे।

पूर्व मंत्री और विधायक अब्दुल मजीद वानी तथा रामबन के पूर्व विधायक चमन लाल ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, जम्मू-कश्मीर चैप्टर के अध्यक्ष विकास दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने यूनिफाइड बिल्डिंग बायलॉज में हालिया संशोधनों से संबंधित मुद्दों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

वहीं, जम्मू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जुटा) के अध्यक्ष प्रोफेसर रविंदर सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों से जुड़े मामलों को प्रस्तुत किया।

इसके अलावा, कई व्यक्तियों ने भी अपनी शिकायतों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट क्लब की जर्सी का अनावरण किया, वन्यजीव प्रकाशन जारी किया

जम्मू, 17 अप्रैल। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज यहां आयोजित एक समारोह में शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट क्लब (एससीसी) की जर्सी का अनावरण किया।

इस अवसर पर युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी और क्लब के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने क्लब द्वारा क्रिकेट को बढ़ावा देने में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए हर संभव सहयोग देगी।

इस अवसर पर एससीसी के अध्यक्ष अमन चीमा ने क्लब की उपलब्धियों की जानकारी दी और बताया कि क्लब ने कई टूर्नामेंटों में भाग लेकर जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि क्लब युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 'चेकलिस्ट ऑफ मैमल्स ऑफ जम्मू एंड कश्मीर, इंडिया' नामक वन्यजीव पत्रिका का भी विमोचन किया। वन्यजीव वैज्ञानिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने, जिसका नेतृत्व मुजफ्फर किचलू कर रहे थे, उन्हें अपनी चल रही और आगामी परियोजनाओं की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए जैव विविधता के संरक्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया

जंबू लोचन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में जेंटल जाइंट्स और रेहारी किंग्स इलेवन की शानदार जीत; विश्वजीत और रोहित चमके

जम्मू 17 अप्रैल। मौलाना आज़ाद स्टेडियम में जम्मू-कश्मीर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रथम जंबू लोचन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में आज रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला, जहाँ जेंटल जाइंट्स और रेहारी किंग्स XI ने अपने-अपने मैचों में जोरदार जीत दर्ज की। पहले मैच में, जेंटल जाइंट्स का मुकाबला ग्रीन स्टार भद्रवाह से हुआ। टॉस जीतकर जेंटल जाइंट्स के कप्तान आशीष कोहली ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यह फैसला सही साबित हुआ और टीम ने 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 167 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। विश्वजीत सिंह स्टार परफॉर्मर रहे, जिन्होंने 63 गेंदों पर 97 रनों की प्रभावशाली पारी खेलकर पारी को शानदार ढंग से संभाला। ग्रीन स्टार भद्रवाह की ओर से अलीम मलिक, खालिद बशीर और आदिल गुफर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि आदिल वानी और औबी राजा ने एक-एक विकेट झटका। जवाब में, ग्रीन स्टार भद्रवाह की टीम गति बनाने के लिए संघर्ष करती दिखी और निर्धारित 20 ओवरों में 121 रनों पर सिमट गई। आदिल गुफर और एहतिशामुल हक ने 20-20 रन बनाए, जबकि आमिर शेख ने 17 रनों का योगदान दिया। जेंटल जाइंट्स के गेंदबाजों का दबदबा रहा, जिसमें अभय टंडन ने मात्र 3 ओवरों में 10 रन देकर 5 विकेट लेकर मैच जिताऊ स्पेल डाला। जड्डू ने दो विकेट लिए, जबकि अनमोल, विश्वजीत सिंह और राजन ने एक-एक विकेट लिया। विश्वजीत सिंह को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। एक अन्य मैच में, रेहारी किंग्स XI ने लक्ष्य का पीछा करते हुए हंटर क्रिकेट क्लब को करारी मात दी। टॉस जीतकर हंटर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी चुनी लेकिन पूरी टीम 19.4 ओवरों में 118 रनों पर ढेर हो गई। मनमोहन कोटवाल ने 44 गेंदों पर 43 रनों की सर्वाधिक पारी खेली, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल था। रेहारी किंग्स ङ्ख्र की ओर से रोहित सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट लिए। मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए, रेहारी किंग्स XI ने आक्रामक बल्लेबाजी दिखाई और महज 12.2 ओवरों में तीन विकेट खोकर 123 रन बनाकर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। मोहित ने 20 गेंदों पर तेजतर्रार 36 रनों के साथ टीम का नेतृत्व किया, जबकि विकास लखोत्रा ने 18 रन जोड़े। जतिन ने 8 गेंदों पर 20 रनों की छोटी लेकिन मैच जिताऊ पारी खेली, जिसमें तीन गगनचुंबी छक्के शामिल थे। हंटर क्रिकेट क्लब के लिए अरविंद चौहान ने दो विकेट लिए। रोहित गुप्ता को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह पुरस्कार जेकेएमजीए के अध्यक्ष रणजीत सिंह चिब और नेशनल कॉन्फ्रेंस यूथ विंग के प्रांतीय अध्यक्ष तजिंदर सिंह अमन द्वारा प्रदान किया गया। टूर्नामेंट में लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं, जो भाग लेने वाली टीमों के बीच प्रतिभा और प्रतिस्पर्धी भावना को प्रदर्शित कर रहे हैं।

STOP . . . !
MOSQUITO BREEDING
PREVENT MALARIA, DENGUE, CHIKUNGUNYA AND STAY HEALTHY

- Do not allow water to stagnate in and around your surroundings.
- Keep water tanks and other water containers tightly covered with lids.
- Get your Blood tested from Govt. Hospital/ Health Worker in case of Fever with chills, rigors and headache.
- Empty water coolers once in a week.
- Discard/destroy Junk items like old tyres etc.
- Empty air coolers, drums, flower pots and birds bath weekly.
- Use Mosquito repellent creams and Bed nets while sleeping.
- Wear full body clothes to prevent mosquito bites.
- Improve basic sanitation.

In case of positive result get free treatment from the nearest Health Institution

STATE MALARIOLOGIST/STATE PROGRAMME OFFICER,
NATIONAL VECTOR BORNE DISEASES CONTROL PROGRAMME [NVBDCP] J&K
DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES JAMMU

DIP/J-717/26 Dtd: 17-4-2026
Printed at Ranbir Government Press, Jammu.